मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक
रांची, शुक्रवार, 31 अक्टूबर 2025
संवत 2082, कार्तिक शुक्लपक्ष 10 मूल्य-2 रुपये
वर्ष-9, अंक 52 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ हलधर नाग और संबलपुरी समाज
अनुष्का शंकर ने की भारत टूर की घोषणा ◂◂ 6

बिहार चुनाव के लिए एनडीए ने जारी किया घोषणा पत्र

1 करोड़ नौकरियां, 4 नए शहरों में मेट्रो

1 करोड़ महिलाएं बनेंगी लखपति दीदी, एमएसपी की गारंटी

पटना : बिहार में सत्ता पर पकड़ मजबूत करने की कोशिश में जुटे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने शुक्रवार को अपना घोषणा पत्र जारी किया। इस बार एनडीए ने इसे संकल्प पत्र नाम दिया है। संकल्प पत्र में बिहार के हर युवा को नौकरी और रोजगार देने का वादा किया गया है। साथ ही महिला उद्यमियों को 2-2 लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की गई है।

घोषणा पत्र जारी करने के मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा मौजूद थे। एनडीए के संकल्प पत्र में विकसित बिहार की परिकल्पना की गई है, जिसके लिए 25 प्रमुख संकल्प तय किए गए हैं। इसके अनुसार, 1 करोड़ से अधिक सरकारी नौकरी और रोजगार प्रदान किए जाएंगे। साथ ही कौशल जनगणना कराकर युवाओं को उनके कौशल के आधार पर रोजगार दिया जाएगा। हर जिले में मेगा स्किल सेंटर स्थापित कर बिहार को ग्लोबल स्किलिंग हब के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है।

महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को 2 लाख रुपये तक की सहायता राशि देने का प्रावधान किया गया है। एनडीए ने एक करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का वादा किया है। इसके अलावा, मिशन करोड़पति के तहत चयनित महिला उद्यमियों को करोड़पति बनाने की दिशा में कार्य करने की योजना भी शामिल की गई है।

संकल्प पत्र में अति पिछड़ा वर्ग के विभिन्न व्यावसायिक समूहों – जैसे तांति, ततमा, निषाद, मल्लाह, तेली, तमोली, केवट, गंगोता, बिंद, नोनिया, बढ़ई, धानुक, लोहार, कुम्हार, नाई, शिल्पकार, ठठेरा, माली, चंद्रवंशी, हलवाई, कानू, दांगी, तुरहा, अमात, केवर्त, राजबंशी, गड़ेरिया आदि – को 10 लाख रुपये की सहायता देने का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही एनडीए ने सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा है, जो अति पिछड़ा वर्ग की सामाजिक और आर्थिक स्थिति का अध्ययन कर उनके सशक्तिकरण के लिए सुझाव देगी।

घोषणा पत्र जारी करने से पहले राजधानी पटना में एनडीए की मैनिफेस्टो कमेटी की बैठक हुई थी, जिसमें संकल्प पत्र के प्रमुख बिंदुओं और वादों को अंतिम रूप दिया गया। इसमें गठबंधन के सभी सहयोगी दलों के घोषणापत्रों के महत्वपूर्ण बिंदुओं को शामिल किया गया है। एनडीए बिहार गति शक्ति मास्टर प्लान प्रस्तुत करेगा। 7 एक्सप्रेसवे बनाए जाएंगे और 3,600 किमी. रेल ट्रैक का आधुनिकीकरण किया जाएगा। अमृत भारत एक्सप्रेस और नमो रैपिड रेल सेवा का विस्तार किया जाएगा, और 4 नए शहरों में मेट्रो शुरू की जाएगी।

राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी

देश की एकता को कमजोर करने वाली बातों से रहें दूर

नई दिल्ली : सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर वे 140 करोड़ भारतीयों को बधाई देते हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद सरदार पटेल ने 550 से अधिक रियासतों को भारतीय संघ में मिलाने का असंभव लगने वाला कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया।

राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज करोड़ों लोगों ने एकता की शपथ ली है। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे कार्यों को बढ़ावा देना चाहिए जो देश की एकता को मजबूत करें, और हर नागरिक को उन विचारों और कार्यों से दूर रहना चाहिए जो एकता को कमजोर करते हैं। यह हमारे देश के लिए समय की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि जिस प्रकार हम 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाते हैं, उसी तरह एकता दिवस का भी हमारे जीवन में विशेष महत्व है। यह दिन प्रेरणा और गर्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि एकता नगर में एकता मॉल, एकता गार्डन और एकता के सूत्र को सशक्त करने वाले कई प्रतीक दिखाई देते हैं। देशभर में आयोजित रन फॉर यूनिटी में करोड़ों भारतीयों का उत्साह नए भारत की संकल्प शक्ति को दशार्ता है।

पीएम मोदी ने यह भी कहा कि यहां हुए कार्यक्रमों और कल शाम की शानदार प्रस्तुतियों में भारत की परंपरा, वर्तमान का परिश्रम और भविष्य की झलक एक साथ दिखाई दी। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का मानना था कि हमें इतिहास लिखने में समय नहीं गंवाना चाहिए, बल्कि इतिहास बनाने के लिए कार्य करना चाहिए। उनकी नीतियों और निर्णयों ने देश के इतिहास में नया अध्याय जोड़ा।

दो बाइकों की टक्कर में दो युवकों की मौत

गुमला: जिले के सदर थाना क्षेत्र में बीती देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। फोरी और पसंगा गांव के बीच दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान बसुआ निवासी रमेश उरांव और पसंगा निवासी संतोष गोप के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार उरांव अपनी बाइक पर कार्तिक उरांव और खेतो उरांव के साथ बसुआ गांव लौट रहे थे और रास्ते में गिरे मोबाइल को लेने के लिए रुके थे।

मुंबई में गिरफ्तार फर्जी बार्क वैज्ञानिक के पास से चुराए गये

परमाणु डाटा, 14 नक्शे, तीन पासपोर्ट संग कई दस्तावेज जब्त

नई दिल्ली: देश के प्रमुख परमाणु शोध संस्थान भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बार्क) से गिरफ्तार फर्जी आतंकी के पास से जो चीजें बरामद की गई हैं, वे चिंता बढ़ाने वाली हैं। मुंबई पुलिस के सूत्रों का कहना है कि फर्जी वैज्ञानकि बने अख्तर कुतुबुद्दीन हुसैनी के पास संदेहास्पद परमाणु डाटा मिला है। इसके अलावा 14 नक्शे, तीन पासपोर्ट बरामद हुए हैं, जिनका इस्तेमाल उसने कई बार विदेश यात्राओं के लिए किया था। ये नक्शे परमाणु केंद्र और आसपास

के ही बताए जा रहे हैं। फिलहाल पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि जो दस्तावेज उससे बरामद हुए हैं, उसका कहीं गलत इस्तेमाल तो नहीं हुआ है। इसके अलावा यह जानने की भी कोशिश है कि जो जानकारी उसके पास है, वह कितनी संवेदनशील है।

पुलिस को शक है कि ये यात्राएं जासूसी या गोपनीय जानकारी के लेन-देन से जुड़ी हैं। अख्तर कुतुबुद्दीन अंसारी को वसोर्वा से पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया गया था। वह खुद को वैज्ञानिक बताता था और कई नाम रखे हुए थे। उसके पास से कई फर्जी पासपोर्ट, आधार कार्ड और पैन कार्ड मिले हैं। इसके अलावा उसके पास से भाभा रिसर्च सेंटर के कई फर्जी आईडी भी मिले हैं। माना जा रहा है कि इन फर्जी दस्तावेजों के सहारे ही वह एंट्री करता रहा होगा। एक आईडी में उसने अपना नाम अली राजा हुसैन रखा हुआ है। इसके अलावा एक अन्य आईडी में उसका नाम एलेक्जेंडर पाल्मर है। फिलहाल उसके कॉल रिकॉर्ड्स की जांच की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि उसने बीते कुछ महीनों में कई फर्जी कार्ड बनवाए थे।

कर्नाटक हाई कोर्ट का बड़ा फैसला

सहमति से बना रिश्ता निराशा पर खत्म हो, तो उसे अपराध नहीं मान सकते

एजेंसी/ बंगलुरुः बलात्कार के मामले में कर्नाटक हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाते हुए आरोपी के खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द कर दी। अदालत का कहना है कि आपसी सहमति से शुरू हुआ रिश्ता अगर निराशा के साथ खत्म होता है, तो इसे अपराध नहीं माना जा सकता। दरअसल एक महिला ने याचिकाकर्ता पर रेप का आरोप लगाया था। वहीं, कोर्ट ने पाया कि दोनों के बीच संबंध सहमति से बने थे। जस्टिस एम नागप्रसन्न मामले की सुनवाई कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अगर वर्तमान अभियोजन पक्ष को ट्रायल में चलते रहने की अनुमति दी गई, तो यह न्याय की विफलता की ओर एक औपचारिक प्रक्रिया के अलावा कुछ नहीं होगा। यह कानून का दुरुपयोग होगा। दरअसल ये दोनों डेटिंग ऐप के जरिए मिले थे और पहचान होने के बाद दोनों एक होटल में मिले और संबंध भी बनाए। महिला ने बाद में आरोप लगाया कि उसके साथ बलात्कार हुआ है।

महिला की शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई, जिसे हाई कोर्ट में आरोपी ने चुनौती दी। कोर्ट ने पाया कि जांच अधिकारी ने जानबूझकर आरोपी और शिकायतकर्ता के बीच हुई चैट को नजरअंदाज किया था।

देश के अगले सीजेआई नियुक्त किए गए जस्टिस सूर्यकांत, बीआर गवई की लेंगे जगह

नई दिल्ली: भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत को देश का अगला मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) नियुक्त किया गया है। वह 24 नवंबर 2025 को भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण करेंगे। मौजूदा मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बी.आर. गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। परंपरा के अनुसार, उन्होंने अपने उत्तराधिकारी के रूप में जस्टिस सूर्यकांत के नाम की सिफारिश की थी। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, ह्लभारत के संविधान द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत को 24 नवंबर 2025 से भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है। मैं उन्हें हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। जस्टिस सूर्यकांत का 14 महीने का होगा कार्यकालः हरियाणा के हिसार जिले में 10 फरवरी 1962 को मध्यमवर्गीय परिवार में जन्मे जस्टिस सूर्यकांत 24 मई, 2019 को सुप्रीम कोर्ट के में जज बने थे। उनका कार्यकाल 14 महीने का होगा और वे 9 फरवरी 2027 को सेवानिवृत्त होंगे। जस्टिस सूर्यकांत देश के सर्वोच्च न्यायिक पद पर दो दशकों के अनुभव के साथ आए हैं, जिसमें अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतंत्र, भ्रष्टाचार, पर्यावरण और लैंगिक समानता पर ऐतिहासिक फैसले शामिल हैं।

युद्ध की बदलती प्रकृति पर बोले थल सेना प्रमुख

'सैन्य ताकत के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता भी जरूरी'

नई दिल्ली: थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को कहा कि युद्ध अब तेजी से संपर्क रहित होते जा रहे हैं। इसलिए इसके जवाब में सैन्य ताकत के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता और नैतिक तैयारी की भी जरूरत है। यह बात उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर नई दिल्ली के मानेकशॉ केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में कही।

उन्होंने कहा कि युवाओं की भूमिका थिंक टैंक, प्रयोगशालाओं और युद्धक्षेत्र जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में होनी चाहिए। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी सेना के अधिकारियों, छात्रों और रक्षा विशेषज्ञों को संबोधित किया। यह कार्यक्रम सेना और रक्षा थिंक-टैंक सेंटर फॉर लैंड वारफेयर स्टडीज की ओर से 'चाणक्य डिफेंस डायलॉगः यंग लीडर्स फोरम' के तहत आयोजित हुआ। मुख्य भाषण में सेना प्रमुख ने युद्ध की बदलती प्रकृति और उसके अनुसार रणनीतिक प्रतिक्रिया की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, युद्ध अब तेजी से गैर-गतिशील और बिना प्रत्यक्ष संपर्क वाला होता जा रहा है, इसलिए इसका सामना करने के लिए सैन्य ताकत, बौद्धिक क्षमता और नैतिक तैयारी जरूरी है। कार्यक्रम में कर्नल सोफिया कुरैशी भी शामिल हुईं, जो ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मीडिया ब्रीफिंग्स में प्रमुख चेहरों में से एक थीं। इस मौके पर यह भी घोषणा की गई कि 27 और 28 नवंबर को चाणक्य डिफेंस डायलॉग 2025 का आयोजन किया जाएगा। इसका विषय 'सुधार से बदलाव (रिफॉर्म टू ट्रांसफॉर्म): सशक्त और और सुरक्षित भारत' होगा।

> मुख्य भाषण में सेना प्रमुख ने युद्ध की बदलती प्रकृति और उसके अनुसार रणनीतिक प्रतिक्रिया की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, युद्ध अब तेजी से गैर-गतिशील और बिना प्रत्यक्ष संपर्क वाला होता जा रहा है, इसलिए इसका सामना करने के लिए सैन्य ताकत, बौद्धिक क्षमता और नैतिक तैयारी जरूरी है।

चीन ने हटाई रोकः भारत को फिर मिलने लगे रेयर अर्थ मैगनेट्स, ईवी उद्योग में आई रफ्तार

नई दिल्ली : छह महीने की रोक के बाद चीन ने भारत को भारी रेयर अर्थ मैगनेट्स की सप्लाई दोबारा शुरू कर दी है। इन शक्तिशाली चुम्बकों का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों, नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्रों और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे उद्योगों में किया जाता है। सप्लाई बहाल होने से भारतीय कंपनियों को बड़ी राहत मिली है, क्योंकि इन चुम्बकों की कमी के कारण कई उत्पादन योजनाएं प्रभावित हो गई थीं।

चीन इस बाजार पर दुनिया भर में लगभग 90 प्रतिशत नियंत्रण रखता है, इसलिए उसकी किसी भी रोक का असर वैश्विक उद्योग पर पड़ता है। अब जब बीजिंग ने निर्यात दोबारा शुरू किया है, तो उम्मीद की जा रही है कि भारत के ईवी और तकनीकी क्षेत्र को फिर से गति मिलेगी।

ईटी की रिपोर्ट के अनुसार, यह

राहत बिना शर्तों के नहीं आई है। चीन ने स्पष्ट किया है कि भारत को मिलने वाले इन रेयर अर्थ मैगनेट्स को अमेरिका को दोबारा निर्यात नहीं किया जा सकेगा और न ही इनका उपयोग किसी सैन्य या रक्षा उद्देश्य के लिए किया जाएगा। बीजिंग ने भारत से यह गारंटी मांगी है कि यह सामग्री केवल घरेलू जरूरतों के लिए ही इस्तेमाल होगी।

इस कदम के पीछे चीन और अमेरिका के बीच चल रहा व्यापारिक तनाव माना जा रहा है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में दोनों देशों ने तनाव कम करने पर सहमति जताई थी, हालांकि रणनीतिक वस्तुओं पर नियंत्रण फिलहाल जारी है।

भारत में फिलहाल चार कंपनियों – हिताची, कॉन्टिनेंटल, जे-उशिन और डीई डायमंड्स – को चीन से आयात की अनुमति मिल चुकी है। इन कंपनियों ने चीन के निर्यातकों और भारतीय अधिकारियों से सभी जरूरी मंजूरियां प्राप्त कर ली हैं। सप्लाई बहाल होने के संकेत मिलते ही उद्योग जगत में उम्मीदें बढ़ गई हैं। इसके साथ ही भारत और चीन के बीच कोलकाता और ग्वांगझू के बीच सीधी उड़ानें भी दोबारा शुरू हो गई हैं, जिससे व्यापारिक गतिविधियों में तेजी आने की संभावना है।

चीन ने मांगी उपयोग की गारंटी

चीन ने हर खरीदार से एक अंतिम-उपयोगकर्ता प्रमाणपत्र मांगा है, जिसमें यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि खरीदी गई सामग्री का उपयोग किसी हथियार या सामूहिक विनाश के उपकरणों में नहीं किया जाएगा। भारतीय कंपनियों ने ये प्रमाणपत्र पहले ही जमा कर दिए थे, लेकिन चीन के वाणिज्य मंत्रालय में करीब 50 से अधिक आवेदन मंजूरी के इंतजार में थे। अब इनमें से कुछ को मंजूरी मिल चुकी है, जिससे सप्लाई लाइन फिर से शुरू हो गई है।

क्यों जरूरी हैं रेयर अर्थ मैगनेट्सः ये अत्यंत शक्तिशाली चुम्बक आधुनिक तकनीक की रीढ़ माने जाते हैं। इनका उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों के मोटर, विंड टर्बाइन, मोबाइल फोन, लैपटॉप और एयरोस्पेस उपकरणों तक में होता है। भारत में खासकर ईवी सेक्टर इनका सबसे बड़ा उपभोक्ता है। वित्त वर्ष 2025 में भारत ने लगभग 870 टन रेयर अर्थ मैगनेट आयात किए थे, जिनकी कुल कीमत करीब 306 करोड़ रुपये थी।

समाचार सार

टूटकी पंचायत के ग्राम प्रधान का निधन, शोक

सिल्ली: सिल्ली अंचल क्षेत्र के टूटकी मौजा के ग्राम प्रधान मनोज मुंडा (50) गुरुवार को हृदयगति रुकने से उनका असामयिक निधन हो गया है। मृतक ग्राम प्रधान की पत्नी सुनीता देवी ने जानकारी देते हुए कहा कि पति जॉन्डिस बीमारी से ग्रसित थे रिम्स रांची में ईलाज के दौरान मौत हो गया। मृतक अपने पीछे एक पुत्र एक पुत्री व पत्नी को छोड़ गए हैं। उनकी निधन से शोक की लहर है ग्राम प्रधान मु मृदुभाषी थे साथ ही धान रोपनी की शुरूआत वाण गाड़कर करते थे तथा गांव के पाहन थे।

सिंचाई की उम्मीद लेकर सांसद के आवास पर पहुंचे बारीगड़ा के ग्रामीण

खूंटी: अड़की प्रखंड के बारीगड़ा गांव के दर्जनों ग्रामीण गुरुवार को सांसद कालीचरण मुंडा के खूंटी स्थित आवास पर पहुंचे और अपने गांव में सिंचाई की सुविधा सहित कई विकासात्मक मांगों को लेकर उनसे मुलाकात की। ग्रामीणों ने सांसद को विस्तार से बताया कि उनके गांव के पास से बहने वाले बरसाती नाले 'बालेया बांदा' पर यदि एक बांध बनवाकर छोटी नहरें निकाली जाएं, तो लगभग 400 एकड़ खेतों में रबी की फसल के लिए सिंचाई की व्यवस्था हो सकेगी। इससे सैकड़ों किसान आत्मनिर्भर बन सकेंगे। ग्रामीणों ने जोर देकर कहा, हम मेहनत करने को तैयार हैं, बस खेतों तक पानी पहुंचा दिया जाए, हम मिट्टी को सोना बना देंगे।

इसके अलावा, ग्रामीणों ने बीरडीह नाला पर एक चेक डैम के निर्माण और महादेव मंडा के पास एक सामुदायिक भवन बनाने की भी मांग रखी। मुलाकात के दौरान ग्रामीणों ने गांव के ऐतिहासिक योगदान का स्मरण कराया। उन्होंने बताया कि अंग्रेजी हुकूमत के दौरान भगवान बिरसा मुंडा के भाई को संकट के समय बारीगड़ा के लोगों ने ही सुरक्षा दी थी। उनकी शादी यहीं कराई गई और खेती के लिए जमीन भी दी गई। ग्रामीणों ने कहा कि इतना गौरवशाली इतिहास होने के बावजूद आज गांव विकास की मुख्यधारा से पिछड़ा हुआ है। सांसद कालीचरण मुंडा ने ग्रामीणों की सभी बातें गंभीरता से सुनीं और तुरंत कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही स्वयं लघु सिंचाई प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता और अड़की के बीडीओ के साथ बारीगड़ा गांव का स्थल निरीक्षण करेंगे। उन्होंने बांध, नहर और चेक डैम निर्माण के लिए हर संभव प्रयास करने का भरोसा दिलाया।

सांसद ने ग्रामीणों के हौसले की सराहना करते हुए कहा, आप लोग खेती-बारी में दिल लगाएं, सरकार और मैं आपके साथ हैं। आपकी हर जरूरी मांगों को पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। इस मौके पर देसाई मुंडा, मोसो मुंडा, महादेव मुंडा, गंगाराम मुंडा और लोहर सिंह पाहन सहित गांव के कई प्रबुद्ध नागरिक मौजूद थे।

तेली समाज ने आरक्षण बहाली के लिए गांव-गांव जनगणना का किया फैसला ,8

खूंटी: छोटा नागपुरिया तेली उत्थान समाज के तत्वावधान में महात्मा गांधी धर्मशाला में एक जिला स्तरीय विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सरकार द्वारा पिछड़ा वर्ग के आरक्षण को शून्य प्रतिशत किए जाने को 'बड़ा अन्याय' बताते हुए इसे बहाल करने के लिए गांव-गांव जाति जनगणना कराने का महत्वपूर्ण फैसला लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष शिवनारायण गन्झु ने कहा, लगातार सभी सरकारों ने तेली समाज के लोगों के साथ छलावा किया है। 27 प्रतिशत से 0 प्रतिशत करना समाज के साथ अन्याय का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि अब समाज को अपने अधिकारों के लिए एकजुट होकर आवाज बुलंद करनी होगी।

बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि पहले चरण में प्रत्येक गाँव में समाज द्वारा तैयार किए गए जनगणना फॉर्म वितरित करके जाति जनगणना का कार्य तेजी से किया जाएगा। इसके बाद, प्राप्त आँकड़ों के आधार पर राज्य और केंद्र सरकार को लिखित आवेदन देकर पिछड़ा वर्ग को 27% आरक्षण बहाल करने की मांग की जाएगी। समाज के प्रवक्ता लक्ष्मी नारायण प्रसाद ने कहा कि समाज को अब एकजुट होकर संगठित आंदोलन की दिशा में बढ़ना चाहिए। वहीं, संरक्षक किशोर गन्झु ने कहा कि समाज को वर्षों से उपेक्षित किया गया है और अब ठोस कदम उठाना जरूरी है। महामंत्री जितेंद्र कश्यप ने समाज के उत्थान के लिए शीघ्र ठोस निर्णय लेने पर बल दिया। इस बैठक में जिला स्तरीय कमेटी का विस्तार करने के साथ-साथ तेली समाज धर्मशाला निर्माण को लेकर भी महत्वपूर्ण चर्चा की गई। जिले के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने धर्मशाला निर्माण कार्य में तेजी लाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सचिव महादेव राम, विक्रम राम, प्रफुल्ल राम, जीवधन राम, विकास कुमार महतो, दुर्गा राम, रामपति राम, गंदूरा गंझू, देवेंद्र महतो, महावीर महतो सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

चतरा विधायक जनार्दन पासवान ने पेश की मानवता की मिसाल,घायल युवक को पहुँचाया अस्पताल

चतरा: बीती रात चतरा विधायक जनार्दन पासवान ने अपने जनसेवक होने का परिचय दिया। मिली जानकारी के अनुसार डीएवी स्कूल के समीप घायल अवस्था में पड़े रामू नामक युवक को देखकर विधायक जनार्दन पासवान ने तुरंत मानवीय पहल करते हुए उसे अपने वाहन से सदर अस्पताल भेजा।हम जनता के चुने हुए सिपाही हैं, अगर जनता के काम न आएं तो ऐसे विधायक का क्या मतलब। विधायक की इस तत्परता से स्थानीय लोगों ने उनकी सराहना की और कहा कि उन्होंने मानवता का उदाहरण पेश किया है।वहीं, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉक्टर पंकज कुमार ने घायल युवक का उपचार शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि रामू की स्थिति अब बेहतर है। वहीं विधायक के वाहन के चालक सतीश कुमार सिंह ने बताया कि विधायक जी का आदेश है कि आप घायल का इलाज करवा कर ही लौटे।

घाटशिला चुनाव से पहले बड़ा सियासी उलटफेर

बीजेपी के कई नेता जेएमएम में हुए शामिल

संवाददाता

रांची : घाटशिला उप चुनाव से पहले झारखंड मुक्ति मोर्चा ने भाजपा को जोर का झटका दिया है। पूर्वी सिंहभूम जिले के भारतीय जनता पार्टी के कई नेता और पदाधिकारियों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थामा है। गुरुवार को कांके स्थित सीएम के आवासीय कार्यालय में सीएम हेमंत सोरेन के समक्ष सभी ने झामुमो की सदस्यता ली है। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सभी को पार्टी में स्वागत किया।

शामिल होने वाले में सिंहभूम जिला परिषद के उपाध्यक्ष पंकज सिन्हा, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) सह प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सौरभ चक्रवर्ती, घाटशिला भाजपा मंडल अध्यक्ष कौशिक सिन्हा, मुसाबनी भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष तुषार पात्रों, भाजपा के मीडिया प्रभारी सुरेश महाली तथा जमशेदपुर के सुप्रसिद्ध जंबू अखाड़ा के अध्यक्ष बंटी सिंह सहित कई अन्य शामिल रहे।

झारखंड मुक्ति मोर्चा में शामिल होने के बाद कार्यकताओं ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन सरकार की नीतियों से प्रभावित होकर झामुमो में शामिल हुए हैं। साथ ही बीजेपी पर जमकर हमला बोला। गौरतलब है कि झामुमो में शामिल होने वाले नेताओं को बीजेपी ने पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। इन लोगों पर घाटशिला उपचुनाव में एनडीए प्रत्याशी बाबूलाल सोरेनके खिलाफ चुनाव प्रचार करने का आरोप लगा है। इसलिए बीजेपी ने इनलोगों को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। आज के कार्यक्रम में झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय प्रवक्ता सह पूर्व विधायक कुणाल षड़ंगी एवं जिला परिषद अध्यक्षा बारी मुर्मू उपस्थित रहे।

हिंडालको मुरी के खिलाफ एक दिवसीय अनशन पर बैठे विस्थापित ,कहा -

पीड़ा नहीं सुनी गई तो होगा उग्र आंदोलन

संवाददाता

सिल्ली: हिंडालको मुरी वर्क्स लिमिटेड कंपनी के खिलाफ विस्थापितों का रोष बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को विस्थापित लगाम निवासी राजू महतो के नेतृत्व में आसपास के गांव का दर्जनों विस्थापित कंपनी के गेट के सामने एक दिवसीय अनशन पर बैठे। अनशन की सूचना हिंडाल्को मुरी वर्क्स के यूनिट प्रमुख स्थानीय व जिला प्रशासन को दिया गया था। राजू महतो ने कहा जमीन हमारा नियम और हुकुम तुम्हारा नहीं चलेगा। विस्थापित नौकरी के लिए भटक रहे हैं और कंपनी के अधिकारी पैसा लेकर बाहर के लोगों को नौकरी दे रही। क्या इसी दिन के लिए हमारे पूर्वजों ने कंपनी को जमीन दिया था। उन्होंने कहा 15 दिनों के भीतर कम्पनी विस्थापितों की पीड़ा, मजदूरों पर शोषण, पैसे लेकर बाहरी लोगों की नियुक्ति समेत 26 मांगों पर सार्थक पहल नहीं करती है तो बीते 42 साल पूर्व पुनः पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह मुंडा जी की तरह ही उग्र आन्दोलन पर उतरेंगे। क्योंकि कम्पनी का एक्सटेंशन 6 करोड़ टर्न ओवर से 450 करोड़ टर्न ओवर हो गया है लेकिन हमारे लोग जितने थे उतने ही रह गए। इन मांगों का मांगपत्र अंचलधिकारी सिल्ली को सौंप कर अनशन समाप्त किया। वही विस्थापितों की मांगों के समर्थन में पहुंचे सिल्ली विधानसभा के पूर्व निर्दलीय प्रत्याशी सह समाजसेवी धन पति महतो ने कहा विस्थापितों पर अन्याय और प्रबंधन की मनमानी पर अंकुश लगाने के लिए एक उग्र आंदोलन होगा। मेन गेट में ताला जड़ देंगे देखते है कौन नेता और राजनेता इनके समर्थन में आता है उन्हें भी खदेड़ा जाएगा।

कचरे के पहाड़ ने बढ़ाई लोगों की मुश्किलें, प्रशासन मौन

संवाददाता

खूंटी: मुरहू बाजार और मुख्य चौक इन दिनों कचरे के बढ़ते अम्बार की समस्या से जूझ रहा है, जिससे न केवल आसपास दुर्गंध फैली हुई है बल्कि लोगों के स्वास्थ्य पर संक्रमण का खतरा भी मंडरा रहा है। इसके बावजूद प्रशासनिक अमला मौन साधे हुए है, जबकि समस्या से निपटने के लिए पहले से ही मशीनें मौजूद हैं।

मुरहू के उप प्रमुख अरुण साबू ने बताया कि इस गंभीर मुद्दे को लेकर जिला के उप विकास आयुक्त को कई बार लिखित में आवेदन दिया गया, लेकिन अब तक सिर्फ औपचारताएं ही निभाई गई हैं। उन्होंने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत मुरहू ब्लॉक में लगी कचरा बाइंडिंग मशीन को दो साल पूरे हो चुके हैं, लेकिन विभागीय लापरवाही के चलते मशीन बेकार पड़ी है और स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। सरकारी धन तो खर्च हो गया, लेकिन स्वच्छता के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति हो रही है, उप प्रमुख साबू ने कहा।

जानकारी के अनुसार, मुरहू बाजार की सफाई का टेंडर जिला परिषद द्वारा दिया गया था, लेकिन ठेकेदार द्वारा कचरा न हटाए जाने की स्थिति बनी हुई है। हैरानी की बात यह है कि उप विकास आयुक्त द्वारा इस मामले की जांच भी पहले कराई जा चुकी है, फिर भी ठोस कार्रवाई नहीं हुई। नतीजतन, स्थानीय जनता दुर्गंध और गंदगी के बीच रहने को मजबूर है।

उप प्रमुख साबू ने बताया कि पंचायत समिति की बैठकों में भी इस मुद्दे को बार-बार उठाया गया और प्रखंड विकास पदाधिकारी को जिला स्तर पर रिपोर्ट भेजने को कहा गया, मगर समस्या का समाधान नहीं निकल सका। उन्होंने जिला परिषद पर निगरानी न करने का भी आरोप लगाते हुए कहा कि अधिकारी केवल फाइलों में काम चलाए जा रहे हैं।

इस पूरे मामले में उप प्रमुख अरुण साबू ने प्रेस के माध्यम से खूंटी के जिला उपायुक्त से तत्काल हस्तक्षेप का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, मुरहू की जनता स्वच्छ वातावरण और स्वस्थ जीवन की हकदार है। प्रशासन यदि ठोस कदम उठाए, तो स्वच्छ बाजार देना कठिन नहीं है।

स्पष्ट है कि मुरहू की जनता प्रशासनिक उदासीनता के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद करने को मजबूर है और अब उम्मीद की किरण जिला प्रमुख के हस्तक्षेप में ही नजर आ रही है।

मंत्री इरफान अंसारी का कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

स्वास्थ्य केंद्रों की समस्या से कराया अवगत

संवाददाता

खूंटी: स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी का चाईबासा जाने के कर्म में खूंटी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नेता जी सुभाष चंद्र बोस चौक पर जोरदार स्वागत किया। मंत्री इरफान अंसारी चाईबासा जाने के क्रम में खूंटी में रुके, जहाँ स्थानीय नेताओं ने उन्हें जिले के प्रमुख स्वास्थ्य समस्याओं से अवगत कराया।

इस अवसर पर कांग्रेस नेता सयूम अंसारी ने मंत्री के समक्ष अड़की में पीएससी स्वास्थ्य उप केंद्र और मुरहू में पीएसी स्वास्थ्य उप केंद्र से जुड़ी समस्याएं रखीं। मंत्री ने इन मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए स्वास्थ्य विभाग को जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।

इस कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य सुशील संगा, मजदूर यूनियन के अध्यक्ष सह कांग्रेसी नेता सयूम अंसारी, वरिष्ठ कांग्रेसी किशन प्रसाद, मुरहू प्रखंड अध्यक्ष पौलुस पूर्ति, जिला प्रवक्ता नरेश तिर्की सहित डेविड हमसोए, जीत बहन महतो, संजय लोहार, इमानुएल मुंडू, रॉयल टोप्पो, विक्टर टोपनो, वूलन टोपनो, दिलीप हेरेंज, पांडू नाग, डेनियल मुंडा, जय मंत्री देवी, पार्वती कुमारी, रेखा देवी, किरण कुमारी, अब्बास अंसारी, हफीज खान, सिराज अंसारी आदि कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और मंत्री का स्वागत किया।

मंत्री द्वारा त्वरित कार्रवाई के आदेश से स्थानीय लोगों को अड़की और मुरहू क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने की उम्मीद जगी है।

ग्रामीण विकास योजनाओं की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

संवाददाता

चतरा: समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में ग्रामीण विकास विभाग तथा झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं की मासिक प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मनरेगा कार्य, आवास योजनाओं तथा ग्रामीण आजीविका से जुड़ी गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की गई।बैठक में बताया गया कि बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत जिला अपने शत-प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त कर चुका है, जो एक सराहनीय उपलब्धि है। वहीं वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना में कई प्रखंडों द्वारा लक्ष्यों की पूर्ति नहीं किए जाने पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने निर्देश दिया कि जिन प्रखंडों में भूमि मिलने या अन्य प्रक्रियागत समस्याओं के कारण कार्य लंबित हैं, उन प्रखंडों के शेष लक्ष्य को अन्य प्रखंडों में हस्तांतरित करते हुए समयबद्ध रूप से लक्ष्य हासिल कराया जाए।बैठक में आधार-आधारित भुगतान प्रणाली की स्थिति की भी समीक्षा की गई तथा श्रमिकों के बैंक खातों को समय पर जोड़ते हुए भुगतान प्रक्रिया को पूर्णतः पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।मनरेगा अंतर्गत आंगनवाड़ी भवन निर्माण कार्यों के निष्पादन पर चर्चा में पाया गया कि कुछ संवेदकों द्वारा कार्य में अनावश्यक देर और लापरवाही की जा रही है। उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिया कि ऐसे संवेदकों को नियमानुसार चिह्नित कर काली सूची में डाला जाए और उनके विरुद्ध सर्टिफिकेट केस की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में गुणवत्तापूर्ण और समय पर कार्य निष्पादन सुनिश्चित हो सके।उपायुक्त ने बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) तथा अबुआ आवास योजना के लंबित आवासों को विशेष प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने का निर्देश देते हुए कहा कि पात्र लाभुकों को आवास उपलब्ध कराना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर विलंब अस्वीकार्य है।समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि टंडवा, मयूरहंड, प्रतापपुर, गिद्धौर, कान्हाचट्टी, लावालौंग एवं इटखोरी प्रखंडों में मनरेगा मजदूरों को 100 दिन का रोजगार उपलब्ध कराने में लापरवाही बरती गई है। इस पर गहरी असंतुष्टि प्रकट करते हुए उपायुक्त ने निर्देशित किया कि मनरेगा एक अधिकार आधारित कार्यक्रम है। मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराना प्राथमिक दायित्व है। अतः संबंधित प्रखंडों के बीपीओ के वेतन भुगतान पर अगले आदेश तक रोक लगाई जाए। वेतन स्थगन तभी हटेगा, जब प्रखंड में रोजगार सृजन सुनिश्चित होने लगे और प्रगति स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हो।बैठक में कार्यों में पारदर्शिता, भू-स्तरीय निरीक्षण तेज करने और योजनाओं की मॉनिटरिंग को और मजबूत बनाने पर बल दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि अधिकारियों एवं कर्मियों को फील्ड में अधिक समय देना होगा और प्रत्येक लाभुक को योजनाओं का लाभ समय से मिले, यह सुनिश्चित करें।बैठक में उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, बीपीओ, तथा अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

खेत के कुएं से मिला बुजुर्ग का शव, जांच में जुटी पुलिस

खूंटी: जिले के तपकरा थाना क्षेत्र के हुसीर गांव में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक खेत में बने कुएं से 73 वर्षीय एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव बरामद हुआ है। मृतक की पहचान हुशीर गांव निवासी मसीहदास गुड़िया के रूप में हुई है। घटना की जानकारी गुरुवार, 30 अक्टूबर की सुबह लगभग 9 बजे मिली, जब स्थानीय ग्रामीणों ने कुएं में तैरता हुआ एक शव देखा। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और मृतक के परिजनों की मौजूदगी में शव को कुएं से निकालवाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए खूंटी सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मृतक के पुत्र जोसेफ गुड़िया ने तपकरा थाना पुलिस में एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनके पिता मसीहदास गुड़िया बुधवार, 29 अक्टूबर को सुबह 8:30 बजे खेत में काम करने के लिए घर से निकले थे। शाम तक जब वह घर नहीं लौटे, तो परिवार के सदस्यों ने उन्हें ढूंढना शुरू किया। परिजनों ने गांव और रिश्तेदारों के यहां हर तरफ खोजबीन की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। इस मामले में तपकरा थाना पुलिस ने अभी तक कोई स्पष्ट कारण सामने न आने के कारण एक अज्ञात दुर्घटना दर्ज किया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही हुसीर पंचायत के मुखिया प्रदीप गुड़िया भी मौके पर पहुंचे और मृतक के परिवार से बातचीत कर घटना की जानकारी ली।

मध्याह्न भोजन योजना की समीक्षा

उप विकास आयुक्त ने मॉनिटरिंग व पौष्टिकता पर दिया जोर

खूंटी: मध्याह्न भोजन योजना के प्रभावी कार्यान्वयन और नियमित निगरानी को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला स्तरीय स्टीयरिंग-सह-मॉनिटरिंग समिति की बैठक गुरुवार को समाहरणालय स्थित डीआरडीए कार्यालय में आयोजित की गई। उप विकास आयुक्त श्री आलोक कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में योजना के विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक के दौरान मुख्य रूप से स्कूली बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने, मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता और एसएमएस अद्यतन की स्थिति, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के एकीकरण तथा रसोइयों एवं सहायिकाओं के मानदेय भुगतान जैसे महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई। इन मुद्दों पर गौर करते हुए उप विकास आयुक्त श्री आलोक कुमार ने निर्देश दिया कि मध्याह्न भोजन में पौष्टिकता का विशेष ध्यान रखा जाए और मेनू में हरी सब्जी तथा अन्य पोषक आहारों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। निगरानी तंत्र को मजबूत करने पर जोर देते हुए श्री कुमार ने आदेश दिया कि ब्लॉक शिक्षा पदाधिकारी (बीईओ), ब्लॉक प्रोग्राम ऑफिसर (बीपीओ), ब्लॉक रिसोर्स पर्सन (बीआरपी) और क्लस्टर रिसोर्स पर्सन (सीआरपी) प्रत्येक माह अपने-अपने क्षेत्र के विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करें और इसकी ऑनलाइन रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इससे विद्यालयों का संचालन सुचारू रूप से चलना सुनिश्चित हो सकेगा।

सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर

रांची पुलिस ने किया रन फॉर यूनिटी का आयोजन, सैकड़ो पुलिसकर्मी हुए शामिल

संवाददाता

रांचीः भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती आज पूरे देश में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जा रही है। स्वतंत्र भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री रहे सरदार पटेल ने 562 रियासतों को एकजुट कर देश की एकता को मजबूत किया।

उन्हें भारत का लौह पुरुष कहा जाता है। महात्मा गांधी के निकट सहयोगी रहे पटेल ने स्वतंत्रता संग्राम और किसानों के अधिकारों की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस लिए उनका जन्मदिन 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो देश की अखंडता, एकता और भाईचारे का प्रतीक है।

ऐसे में रांची पुलिस की ओर से रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर के नेतृत्व में कार्य क्रम का आयोजन किया गया। इस क्रम में पुलिसकर्मियों ने उत्साह से भाग लिया गया। दौड़ की शुरूआत नवीन पुलिस केंद्र राँची से होते हुए और यह शहर के अलग अलग मार्गों से होकर गुजरी। इस कार्यक्रम को देश में एकता, अनुशासन और राष्ट्रभावना को सशक्त करने के उदेश्य से किया गया।

साथ ही ओटीसी ग्राउंड राँची में भी रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विधायक सीपी सिंह शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों और उनके राष्ट्र निर्माण में योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि देश की एकता और अखंडता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है, हमें इसे सदैव बनाए रखना चाहिए।

सेल रांची इकाइयों में मनाई गयी सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती

रांचीः सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती मनाने के लिए सेल रांची इकाइयों में आरडीसीआईएस, सीईटी, एमटीआई, एसएसओ, एसडीटीडी और डीएमएल-सीएमएलओ के कर्मचारियों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ ली। एसएसओ के ईडी अनूप कुमार और के रामकृष्ण ने क्रमशः हिंदी और अंग्रेजी में शपथ दिलाई। इस अवसर पर एसके वर्मा, ईडी, सीईटी; संदीप कर, ईडी, आरडीसीआईएस; दीपक जैन, ईडी, एसडीटीडी; संजय धर, ईडी, एचआर-एलएंडडी, सुनील गुप्ता, सीजीएम, डीएमएल-सीएमएलओ और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इसके अलावा, इस्पात मंत्रालय के निदेशों और युवा मामले और खेल मंत्रालय के फिट इंडिया रन 6.0 अभियान के अनुरूप, इस्पात भवन रांची में समारोह के एक भाग के रूप में स्वच्छता और स्वास्थ्य थीम के तहत एकता के लिए रन/वॉक का आयोजन किया गया।

नवंबर माह में 13 तीन बंद रहेंगे बैंक

रांची : अगर आप नवंबर महीने में बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाने की सोच रहे है तो पहले ये खबर जरूर पढ़ लें। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने नवंबर 2025 की बैंक हॉलिडे लिस्ट जारी कर दी है, जिसमें इस महीने कुल 13 दिन बैंक बंद रहेंगे। इनमें राष्ट्रीय अवकाश, राज्य-विशेष त्योहार और साप्ताहिक छुट्टियां शामिल हैं। हालांकि, सभी छुट्टियां एक साथ पूरे देश में लागू नहीं होंगी।

कहां-कहां और कब बंद रहेंगे बैंक? : आरबीआई के अनुसार, नवंबर में दूसरे और चौथे शनिवार के अलावा रविवार को तो बैंक बंद रहेंगे ही, साथ ही कई राज्यों में स्थानीय त्योहारों और सांस्कृतिक आयोजनों के कारण अतिरिक्त छुट्टियां भी रहेंगी।

1 नवंबर (शनिवार): कन्नड़ राज्योत्सव और इगास-बगवाल के मौके पर कर्नाटक और उत्तराखंड में बैंक बंद रहेंगे।

5 नवंबर (बुधवार): गुरु नानक जयंती, कार्तिक पूर्णिमा और रास पूर्णिमा के कारण पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, दिल्ली समेत करीब 20 राज्यों में अवकाश रहेगा।।

6-7 नवंबर: मेघालय में नोंगकरेम डांस फेस्टिवल और वांगला फेस्टिवल के कारण दो दिनों तक बैंक बंद रहेंगे।

8 नवंबर (शनिवार): कर्नाटक में कनकदास जयंती के अवसर पर बैंक नहीं खुलेंगे।

साप्ताहिक छुट्टियां भी रहेंगी शामिल: देशभर में नियमित छुट्टियों के तहत 2, 8, 9, 16, 22, 23 और 30 नवंबर को भी बैंक बंद रहेंगे। हालांकि, 15 और 29 नवंबर को बैंक खुले रहेंगे। ग्राहकों के लिए राहत की बात यह है कि बैंक शाखाएं बंद रहने के बावजूद नेट बैंकिंग, मोबाइल ऐप, यूपीआई और एटीएम सेवाएं पूरी तरह चालू रहेंगी यानी डिजिटल लेनदेन पर किसी तरह का असर नहीं पड़ेगा।

झारखंड किकबॉक्सिंग संघ ने बीसी ठाकुर को दी श्रद्धांजलि, बिनय सिन्हा बने अध्यक्ष

संवाददाता

रांचीः झारखंड एमेच्योर स्पोर्ट्स किकबॉक्सिंग एसोसिएशन (जेएएसकेए) ने अपने अध्यक्ष स्वर्गीय बीसी ठाकुर के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यकारी समिति की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि बिनय सिन्हा एसोसिएशन के नए अध्यक्ष के रूप में दायित्व संभालेंगे। श्री सिन्हा लंबे समय से संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष एवं रांची जिला के भी अध्यक्ष एवं सक्रिय मार्गदर्शक रहे हैं। उन्होंने झारखंड में किकबॉक्सिंग के विस्तार, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण, और राष्ट्रीय स्तर पर राज्य की पहचान स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बिनय सिन्हा ने अध्यक्ष पद ग्रहण करते हुए कहा कि वे स्व ठाकुर के अधूरे सपनों को पूरा करने और झारखंड में किकबॉक्सिंग के विकास को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। एसोसिएशन ने सभी जिला इकाइयों और पदाधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे एकजुट होकर श्री बिनय सिन्हा का सहयोग करें, ताकि स्व ठाकुर की खेल भावना और संगठनात्मक दृष्टि को आगे बढ़ाया जा सके।

आरबीआई की वित्तीय समावेशन पहल के तहत क्षेत्रीय निदेशक ने किया शिविर का निरीक्षण

रांचीः भारतीय रिजर्व बैंक, झारखंड के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह ने आज सोदाग पंचायत में आयोजित वित्तीय समावेशन एवं पुनः केवाईसी शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने बैंक अधिकारियों और बैंकिंग संवाददाताओं से अभियान की प्रगति की जानकारी ली तथा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शिविर देर शाम तक चलाने का सुझाव दिया। श्री सिंह ने अभियान को सफल बनाने के लिए ह्लजन-गण-मनह्व सूत्रमंत्र दिया और कहा कि जनता, बैंक अधिकारियों और समर्पण–इन तीनों का संयुक्त प्रयास वित्तीय समावेशन को गति देगा। शिविर में 504 खातों का पुनः केवाईसी किया गया और 226 लोगों ने बीमा योजनाओं में नामांकन कराया। कार्यक्रम में बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा सहित कई बैंकों के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और बैंकिंग संवाददाता उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने जयंती पर वल्लभभाई पटेल को किया नमन

रांचीः राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने आज महान स्वतंत्रता सेनानी व आधुनिक भारत के शिल्पकार तथा भारत के प्रथम उप प्रधानमंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राज भवन में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। राज्यपाल महोदय ने कहा कि सरदार पटेल ने राष्ट्रीय एकता, अखंडता और रियासतों के एकीकरण के माध्यम से आधुनिक भारत की सुदृढ़ नींव रखी। उनका जीवन, त्याग और नेतृत्व देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणास्त्रोत रहेगा। राज्यपाल ने इस अवसर पर समस्त राज्यवासियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

झारखंड के 14 अधिकारी व जवान को गृहमंत्री दक्षता पदक

रांची : झारखंड पुलिस के 14 अधिकारी और जवान एक बार फिर सुर्खियों में हैं। उन्हें वर्ष 2025 के लिए केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक से नवाजा गया है। बोकारो के जंगलों में घुस कर लाल आतंक की कमर की रीढ़ तोड़ देने के लिए इन जांबाजों को सम्मान दिया गया है। उस विशेष नक्सल विरोधी अभियान में साहस, पराक्रम और पेशेवर दक्षता के दम पर पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए पांच इनामी नक्सलियों को मार गिराया था। इस कार्रवाई ने न केवल इलाके में नक्सली नेटवर्क को कमजोर किया बल्कि स्थानीय लोगों में पुलिस के प्रति भरोसा भी बढ़ाया। झारखंड के इन जांबाजों के साथ-साथ 1,466 वीरों को भी अदम्य साहस के लिए गृहमंत्री दक्षता पदक से सम्मानित किया गया।

सम्मान पाने वाले अधिकारी और जवान :

आईपीएस होमकर अमूल वेणुकांत (आईजी), आईपीएस माइकल राज एस (आईजी अभियान),आईपीएस इंद्रजीत महथा (डीआईजी),आईपीएस सुरेन्द्र कुमार झा (डीआईजी)

आईपीएस मनोज स्वर्गीयरी (एसपी),डिप्टी कमांडेंट मिथिलेश कुमार,सब इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार, सब इंस्पेक्टर मंटू कुमार,कांस्टेबल दीनबंधु कुमार,कांस्टेबल पारस कुमार वर्मा,कांस्टेबल विकास कर्मकार,कांस्टेबल भगीरथ रजवार, कांस्टेबल शिवनंदन हांसदा, कांस्टेबल अजय मेहता

इन सभी ने ऑपरेशन के दौरान अद्भुत समन्वय, साहस और रणनीतिक समझ का परिचय दिया।

वीरता और पेशेवर दक्षता की पहचान: केंद्रीय गृह मंत्री दक्षता पदक उन पुलिसकर्मियों को दिया जाता है जिन्होंने किसी विशेष अभियान, जांच, खुफिया कार्य या फॉरेंसिक क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो। यह सम्मान न केवल उनकी वीरता की पहचान है बल्कि पूरे बल के मनोबल को भी ऊंचा उठाने का प्रतीक है। बोकारो ऑपरेशन को झारखंड पुलिस के हाल के वर्षों के सबसे सफल अभियानों में से एक माना जा रहा है।

सरदार बल्लभभाई पटेल की जयंती पर ली एकता की शपथ

रांचीः भारत के लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 में जयंती के शुभ अवसर पर सामाजिक संस्था भारतीय एकता कमेटी रांची ने एकता दिवस मनाया। इस शुभ अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा कि एकता बनाओ देश को मजबूत बनाओ । सभी धर्म समुदाय का एकता हमारे देश व समाज के लिए सबसे जरूरी है । इस अवसर पर सचिव रामेश्वर राम बुलंद अख्तर, एलियस कश्यप ने गुलाम मुस्तफा को माला पहना कर कहा के आप सभी धर्म समुदाय के एकता के प्रतीक है आपने सभी धर्म समुदाय को शुरू से जोड़ने का काम किया है और शुरू से सभी को सम्मान दिया है । इसको कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। गुलाम मुस्तफा ने कहा कि इस शुभ अवसर पर हम सभी शपथ ले के हम लोग सभी मिलजुल कर देश में समाज में एकता को मजबूत करेंगे और सभी धर्म समुदाय को एकता के धागे में शामिल करेंगे। एकता में बहुत ताकत है एकता महान शक्ति है । सभी देशवासी मिलजुल कर एकता को मजबूत करें और सरदार वल्लभभाई पटेल के बताए हुए रास्ते पर चलकर देश व समाज का भला करें । भारतीय एकता कमेटी सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के शुभ अवसर पर शत-शत नमन करती है। इस अवसर पर अब्दुल समद, मोहम्मद यूनुस खान, मोहम्मद अशफाक और मनोज राम व अन्य उपस्थित थे।

अफ्रीका के ट्यूनीशिया में फंसे झारखंड के 48 मजदूर, खाने तक के पैसे नहीं

रांचीः झारखंड के प्रवासी मजदूरों के विदेश में फंसे होने का मामला एक बार फिर सामने आया है। इस बार राज्य के गिरिडीह, बोकारो और हजारीबाग जिले के 48 प्रवासी मजदूर अफ्रीका के ट्यूनीशिया में फंसे हुए हैं। पिछले तीन माह से मजदूरों को कंपनी की ओर से मजदूरी का भुगतान नहीं किया जा रहा है। इस वजह से मजदूरों के सामने खाने-पीने का संकट खड़ा हो गया है। फंसे मजदूरों ने वीडियो संदेश में अपना दर्द साझा किया है। कहा है कि हम यहां बहुत बुरी हालत में हैं। कंपनी ने हमारा वेतन रोक दिया है। हमारे पास खाने तक के पैसे नहीं बचे हैं। हम बस किसी तरह अपने घर वापस लौटना चाहते हैं। उन्होंने बकाया वेतन के भुगतान की मांग भी की है।

आइफा में हैलोविन फैशन परेड व मेकअप शो का आयोजन संपन्न

संवाददाता

रांचीः आईफा इंटरनेशनल, रांची में विश्व हैलोविन दिवस (31 अक्टूबर) के अवसर पर आयोजित हैलोविन फैशन परेड एवं मेकअप शो का आयोजन रंगारंग तरीके से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बच्चों और युवाओं ने अपनी रचनात्मकता और कलात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार सुरैया को, दूसरा पुरस्कार सुदिक्षा को तथा तीसरा पुरस्कार दिया जोशी और सुदीक्षा को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। प्रतिभागियों ने हैलोविन थीम पर आधारित अनोखी वेशभूषा और मेकअप से दर्शकों का मन मोह लिया।

कार्यक्रम का संचालन संस्था के निदेशक मोहम्मद साबिर हुसैन के मार्गदर्शन में हुआ। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियाँ बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मक सोच और कला के प्रति लगाव को बढ़ावा देती हैं।

कार्यक्रम का समापन विजेताओं को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार वितरण आई इंटरनेशनल के निदेशक मोहम्मद साबिर हुसैन के द्वारा किया गया । कार्यक्रम को सफल बनाने में हुमायूं कबीर,अलमा हसन, आसेम, का साथ रहा तथा निर्णायक मंडली में शगुफ्ता बानो, हुमायूं कबीर तथा अलमा हसन द्वारा किया गया । उपस्थित सभी ने बच्चों के उत्साह और कलात्मक प्रस्तुति की सराहना की।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER

National Rural Employement Program, Ranchi.

Very Short

e-Procurement Notice

e-Tender Refrence No. – National Rural Employement Program, Ranchi./RANCHI-21/2025-26 Date :-

Sl. No.	Name of Scheme	Estimated Amount (Lakh)	Earnest Mone (Lakh)	BOQ Cost	Scheme Completion Date	Tools & Plant
1	TMMC at Bundu, Taw	99,85,500/-	2,00,000/-	10,000/-	06 Months	कार्य के अनुरूप
2	Construction of Staff Quarter at Sheduled Tribe Residential Middle School, Piska Ormanjhi, Ranchi. (Jh.)	92,75,000/-	1,85,500/-	10,000/-	06 Months	कार्य के अनुरूप
3	Construction of Staff Quarter at Sheduled Tribe Residential Middle School, Amanburu, Bundu, Ranchi. (Jh.)	92,75,000/-	1,85,500/-	10,000/-	06 Months	कार्य के अनुरूप
5.	Mode of Submission of tender		Online through www.jharkhandtendrs.gov.in			
6.	Date of Publication of Tender on Website		03.11.2025 at 9.00 AM			
7.	Start Date Time of Submission of Bids		03.11.2025 at 11.00 AM			
8.	Last Date Time of Submission of Bids		11/11/2025 at 11.00 AM			
9.	Date Time of Opening of Bid		12/11/2025 at 2.00 PM			
10.	Name & Address of Office Inviting tender e - Procurement Cell,		Executive Engineer, National Rural Employement Program, Ranchi			
Helpline Number of e-Procurement Cell			94727-45569			

Note : Any change can beseen on Website http://Jharkhnadtenders.gov. in.
Any other information can be seen on http://Jharkhnadtenders.gov. in.

Executive Engineer
National Rural Employement Program, Ranchi.

PR 364876 NREP(25-26)D

सुविचार

मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता.

लाडली बहनों का बोझ

राज्य के एक मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने भी सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि 'लाडली बहन' योजना सरकार पर 'बोझ' बन गई है। विधानसभा चुनाव से पहले, मौजूदा हुक्मरानों ने 'लाडली बहन' योजना का खूब ढिंढोरा पीटा था। इससे उन्हें चुनावों में राजनीतिक लाभ भी हुआ। हालांकि, उसी समय चेतावनियां दी गई थीं कि यह योजना राज्य की वित्तीय स्थिति को बिगाड़ देगी और इसे लागू करते समय सरकार की नाक में दम आ जाएगा। वे हु-ब-हू सच साबित हुईं। जब अर्थशास्त्रियों और विपक्ष ने ये चेतावनियां दी थीं, तब सत्ताधारियों ने उन्हें राज्य के समूचे भगिनी वर्ग का दुश्मन ठहरा दिया था, लेकिन इस योजना के लिए धन का प्रावधान अब खुद सत्ताधारियों के लिए सिरदर्द बन गया है। एक ओर लाडली बहनों को १,५०० रुपए प्रति माह सुनिश्चित करने के लिए ४०-४५ हजार करोड़ रुपए का प्रावधान करना पड़ता है और ऐसा करने के लिए अन्य विभागों से धन में कटौती करनी पड़ती है। यह 'कवायद' और 'सर्कस' सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही चल रहा है। सत्ता में आने के बाद होश में आए हुक्मरानों ने इस योजना की गहन जांच की। नए नए नियमों और मानदंडों का हौवा खड़ा किया गया। नतीजा यह हुआ कि चुनाव से पहले 'लाडली' रहीं कई बहनें सरकार बनने के बाद अयोग्य घोषित कर दी गईं और भी कई तरह के हथकंडे अपनाए गए। फिर भी इस योजना के लिए धन जुटाने की सरकार की सिरदर्दी कम होने का कोई संकेत नहीं दिख रहा है और उस पर पहले दबी आवाज में शिकायत करनेवाले मंत्री अब सार्वजनिक रूप से शिकायतें करने लगे हैं। वे अब सार्वजनिक रूप से सरकारी खजाने पर दबाव का आरोप लगा रहे हैं। यह शिकायत करनेवाले दत्तात्रेय भरणे और उनके सुर में सुर मिलानेवाले भुजबल, दोनों ही उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री अजीत पवार के ही गुट से हैं। हालांकि, अजीतदादा ने 'हम पूछेंगे और देखेंगे' वाला गोल-मोल बयान दिया है, लेकिन सरकार की पोल खुल गई है। अजीतदादा ने खुद एक बार स्वीकार किया था कि 'लाडली बहन' योजना में गलती हुई है, लेकिन चूंकि यह 'गलती' हर महीने करनी पड़ती है इसलिए राज्य और विभिन्न विभागों का वित्तीय गणित गड़बड़ाने लगा है। हालांकि, यह सच है कि 'लाडली बहन' योजना राज्य की बहनों के लिए फायदेमंद रही है, लेकिन यह सरकार के लिए गले की हड्डी बन गई है। राजनेता मंडली चाहे जितना भी इनकार करें, सच यही है। यही सच नाराजगी के रूप में मंत्रियों के मुंह से सार्वजनिक रूप से निकलने लगा है और सरकार के मुंह पर वार कर रही है। लाडली बहनों को हर महीने १,५०० रुपए मिलने चाहिए, उसके लिए ४०-४५ हजार करोड़ रुपए अलग से रखे जाने चाहिए और इसलिए उसके लिए कुछ अन्य महकमों के फंड पर वैंछची चलाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। कभी वे सामाजिक न्याय विभाग के फंड को डायवर्ट करते हैं, कभी वारकरी दिंडी के फंड पर वैंछची चलाते हैं, किसान कर्ज माफी को लेकर हाथ खड़े कर देते हैं और फिर एक रुपए में फसल बीमा योजना ही बंद कर देते हैं, ये सब चालें सत्ताधारी दल कर रहा है। इससे मौजूदा सरकार के दिवालिया प्रशासन का वस्त्र हरण हो रहा है। लाडली बहनों को दी जानेवाली सब्सिडी का जुगाड़ सरकार के लिए माथापच्ची बन गया है और इससे दूसरे विभागों को फंड डायवर्ट करना मंत्रियों के लिए सिरदर्द बन गया है। अजीतदादा के समूह से संबंधित मंत्री दत्तात्रेय भरणे ने भी सार्वजनिक रूप से इस बारे में बात की है। अजीतदादा भरणे के दर्द के लिए कौन-सी 'गोली' देकर शांत करते हैं यह तो पता चलेगा ही, लेकिन बहनों की 'लाडली' रही यह योजना सरकार के मंत्रियों के लिए गले की हड्डी जरूर बनती जा रही है। उन लोगों के बारे में क्या कहें जो अपनी ही ऐसी स्थिति बना लेते हैं कि पकड़ो तो डस लेते हैं और छूट गए तो भाग जाते हैं, लेकिन इस बात का क्या हल है कि इससे राज्य का वित्तीय अनुशासन प्रभावित हो रहा है?

अब किसे इस्तीफा देना चाहिए

जम्मू और कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वीकारा कि पहलगाम हमला सरकार की सुरक्षा व्यवस्था में एक चूक थी। पहलगाम हमले को तीन महीने हो चुके हैं। आतंकवादियों द्वारा पर्यटकों पर किए गए हमले में २६ लोगों ने जान गंवाई। आतंकवादियों ने महिला पर्यटकों पर गोली नहीं चलाई थी। उन्होंने पुरुषों को मारा। उन्होंने धर्म पूछकर मार डाला। कुरान की आयतें सुनाने को कहा। जो नहीं सुना पाए उन्हें गोली मार दी गई, यह कहानी बाद में भाजपा भक्तों द्वारा फैलाई गई। पहलगाम हमले के निमित्त हिंदुओं और मुसलमानों के बीच तनाव बढ़ाने की कोशिश की गई, लेकिन कामयाबी नहीं मिली। पहलगाम हमले के बाद स्थानीय लोगों ने वहां सभी पर्यटकों और घायलों की मदद करने में उदारता दिखाई। उन्होंने हर तरह की मदद की। खुद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के आंसुओं का सैलाब फूट पड़ा, लेकिन इतना भयंकर यह सब कैसे हुआ? सरकार अब तक इस पर मुंह सिले बैठी थी। जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल सिन्हा ने अब हमले के पीछे की सच्चाई उजागर की है, जो यह है कि सरकार की ओर से पर्यटकों की सुरक्षा व्यवस्था नजरअंदाज हुई। सुरक्षा व्यवस्था में खामियों की वजह से ही आतंकवादी पर्यटनस्थल तक पहुंच पाए और हमला हुआ। राज्यपाल का यह सच चौंकानेवाला है और देश के गृह मंत्रालय की इज्जत चौराहे पर टंग गई। नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा छीन लिया इसलिए जम्मू-कश्मीर अब एक केंद्रशासित प्रदेश है जिसकी वजह से इस बेहद संवेदनशील राज्य की कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी केंद्र सरकार ही, यानी गृह मंत्रालय पर है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनकी सर्वाधिकार राज्यपाल मनोज सिन्हा को दिया गया था। राज्यपाल के जरिए ही गृह मंत्री अमित शाह जम्मू-कश्मीर राज्य का शासन चलाते हैं इसलिए पहलगाम में हुए हमले और २६ निर्दोष हत्याओं की जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह पर ही है। राज्यपाल सिन्हा ने भी यही कहा। गृह मंत्री शाह इस नरसंहार के लिए जिम्मेदार हैं ही, लेकिन इससे भी गंभीर बात यह है कि गृह मंत्रालय अभी तक हत्या करनेवाले 'आरोपियों' को पकड़ नहीं पाया है। २६ लोगों की हत्या करनेवाले हत्यारे अभी भी 'फरार' हैं। इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा? गृह मंत्री अमित शाह और जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल मनोज सिन्हा को अब एक मिनट भी अपने पद पर बने रहने का नैतिक अधिकार नहीं है। वे २६ लोगों की हत्या के जिम्मेदार तो हैं ही, और वे हत्या के आरोपियों को भी नहीं पकड़ पाए हैं। इस महान बहादुरी के लिए क्या शाह और सिन्हा की पूजा की जानी चाहिए? या उन्हें वीरता पदक से सम्मानित किया जाना चाहिए? चूंकि राज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्वयं स्पष्ट किया है कि पहलगाम हमला एक सुरक्षा चूक थी इसलिए शासकों को प्रायश्चित करना ही होगा और खुले तौर पर गृह मंत्री का इस्तीफा मांगना होगा। यह पूरा मामला गैर इरादतन हत्या का ही मामला है। ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर राजनीति करनेवालों को इस पर ध्यान देना चाहिए। नरेंद्र मोदी और अमित शाह व्यापारिक मानसिकता वाले लापरवाह राजनेता हैं। यह लापरवाही मणिपुर से लेकर कश्मीर तक हर रोज दिखाई देती है। पहलगाम में भी सुरक्षा को लेकर वैसी ही लापरवाही देखने को मिली जैसी २०१९ में पुलवामा हमले में ४० भारतीय जवानों के शहीद होने पर दिखी थी। १४ फरवरी २०१९ को पुलवामा में हुए आत्मघाती हमले में जवान शहीद हुए थे।

हलधर नाग और संबलपुरी समाज

पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाली इस अजीम शख्सियत का नाम है–हलधर नाग। वर्ष 2016 में भारत सरकार के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'पद्मश्री' से विभूषित हलधर नाग का निर्विकार भाव, शांत समुद्र और गंभीर श्रोता की तरह सबको सुनना और सारे आयोजनों में सामान्य जन की तरह सहभागिता, इस सेमिनार का सबसे विशेष पक्ष थी।

गौरव अवस्थी

कवि या साहित्यकार को सुनकर वाह-वाह और तालियां बजाते तो हम सब सुनते ही हैं। यह अब व्यापार सा बन चुका है या मार्केटिंग का खेल। असली सम्मान वह है जब मंत्री से लेकर संत्री तक बोलें और सामने की पंक्ति में श्रोता के रूप में साहित्यकार सुने। अपने जीवन पर। अपने काम पर। अपने साहित्य पर। अपनी कविता पर। ऐसा हमने पिछले दिनों बरगढ़ (ओड़िशा) में दो दिवसीय नेशनल सेमिनार में प्रत्यक्ष देखा-सुना। मंत्री के उद्बोधन में। संस्था के संबोधन में। विद्वानों के व्याख्यान में। चित्र में। चरित्र में। नृत्य में। नाटक में। गायन में।2 दिन। 20 घंटे। 5 सत्र। 25 वक्ता। 5 संचालक। 11 साँस्कृतिक कार्यक्रम। सेमिनार के शुभारंभ पर कविजी की कविता- ' ई माटीर पानी पवनरे..' गीत के सस्वर गायन को सुनना अद्भुत था। अछूत शबरी पर केंद्रित 'अछिया' काव्य पर आदिवासी बच्चियों की भावपूर्ण प्रस्तुति हो या कविजी के जीवन पर आधारित लघु नाटिका। सब दिल जीत। क्षेत्र के संगीता के मानते हैं, कोसली में लिखी उनकी कविताएं राग के मानकों पर भी फिट हैं। कविताओं की रागमयी प्रस्तुति को 'हलधर संगीत' ही कहा जाता है।सभागार के प्रवेश द्वार पर दोनों तरफ चार दर्जन से अधिक विभिन्न मुद्राओं वाले हाथ से बने स्कैच या फोटो देखना एक अलग 'लोक' का अनुभव जैसा था। ऐसा हमने 2 साल पहले सिर्फ 'प्रभाष प्रसंग' में देश के श्रेष्ठ पत्रकार-संपादक प्रभाष जोशी के संबंध में चित्तौड़ में ही देखा था। सब-के-सब उस साहित्यकार को समर्पित, जिसे दुनिया 'लोक कविरत्न' के रूप में जानती-मानती-पहचानती है। पिछड़े वर्ग से ताल्लुक रखने वाली इस अजीम शख्सियत का नाम है-हलधर नाग। वर्ष 2016 में भारत सरकार के चौथे सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'पद्मश्री' से विभूषित हलधर नाग का निर्विकार भाव, शांत समुद्र और गंभीर श्रोता की तरह सबको सुनना और सारे आयोजनों में सामान्य जन की तरह सहभागिता, इस सेमिनार का सबसे विशेष पक्ष थी। एक दृश्य देख लीजिए-' 28 जून को सुबह 10 बजे सेमिनार का शुभारंभ था। रात से शुरू हुई वर्षा आयोजन प्रारंभ होने के एक घंटे पहले तक जारी थी। इस बारिश के बीच ही नंगे पैर धोती-बनियान पहने और अपनी कुछ पुस्तकों का झोला खुद हाथ में थामे हलधर नाग दिखाई देते हैं। चेहरे पर किसी से कोई सम्मान की चाहत न चरित्र में, लेकिन संस्थान के संत्री हो या अन्य मौजूद सामाजिक कार्यकर्ता-साहित्यकार, सब पैर छूकर आशीर्वाद लेने को लालायित। मैं खुद भी उसमें शामिल हो गया। क्यों? के जवाब में बस इतना कह सकता हूं, यह पदक की चमक पर नहीं, सादगी के सम्मान में।

यह होता है लोककवि का लालित्य। जहां हर कोई स्वयं ही श्रद्धावनत हो। हर कोई उनसे मिलने-बतियाने और सेल्फी लेने को बेताब! 'लोक' की बात करने या लिखने भर से कोई लोककवि नहीं होता। इसके लिए लोक से जुड़ना भी होता है। हलधर नाग लोक की बात जितना लिखते हैं, उससे ज्यादा लोक में विचरते हैं। लोक से जुड़ते हैं। लोक के साथ चलते हैं। अपनी लोक कविताओं से तो हलधर नाग कोसल प्रदेश में लोकप्रिय हैं ही। बाहरी दुनिया से हलधर नाग को परिचित कराने वाले अभिमन्यु साहित्य संसद के संस्थापक अशोक कुमार पूजाहारी का कम योगदान नहीं। हिंदी समाज में उनके साहित्य को विस्तार देने में अनुवादक दिनेश कुमार माली की महती भूमिका है। इस आयोजन की सूत्रधार भी उन्हीं की संस्था 'अभिमन्यु साहित्य संसद' थी। सहयोगी भूमिका में कृष्णा विकास संस्थान। 31 मार्च 1950 को बरगढ़ के ऐतिहासिक घेंस गांव में जन्मे हलधर नाग का लोक साहित्य दुनिया के तमाम देशों में शोध का विषय है। आर्थिक अभावों से स्कूली शिक्षा से वंचित रहने वाले पद्मश्री हलधर नाग संबलपुर की अधिष्ठात्री देवी माँ समलेई, भगवान राम और श्रीकृष्ण के अतिरिक्त रामकथा में उपेक्षित मिथकीय पात्र महासती उर्मिला एवं अछूत शबरी पर 'अछिया' नामक महाकाव्य लिखकर अपने जीवित रहते ही अमर हो चुके हैं। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी ने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त को उपेक्षित उर्मिला पर साकेत महाकाव्य लिखने की प्रेरणा दी, उन्हीं पर हलधर नाग ने स्वप्रेरणा से 'महासती उर्मिला' महाकाव्य का प्रणयन किया।

प्रकृति से सीधा तादातम्य रखने वाले हलधर नाग की पहली कविता है-' ढाड़ो बरगाछ'। हिंदी में इसे कहा जाएगा - 'बूढ़ा बरगद'। बरगद का यह पेड़ आज भी उनके संग्रहालय के सामने है। रात ही सही, कविता के बहाने चर्चा में आ चुके इस विशाल बरगद के नीचे कुछ देर सांस लेने का मौका इन पंक्तियों के लेखक को भी मयस्सर हुआ। 1990 में लेखन की दुनिया में कदम रखने वाले हलधर नाग अब तक दो दर्जन से अधिक काव्य, महाकाव्य, खंडकाव्य रच चुके हैं। 25-30 व्याखान भी कम से कम हमें हलधर नाग का साहित्य संसार समेट पाने में समर्थ प्रतीत नहीं हुए। बाकी का भगवान जानें। लोक कविरत्न कालीभक्त हैं। उन्होंने अपने संग्रहालय के सामने काली माँ का छोटा सा मंदिर भी निर्मित कराया है। कहते हैं, विशेष वाद्य यंत्र बजाकर भक्ति में डूबने के बाद मां समलेई कविजी को कान में कुछ फुसफुसाती हैं और उनके अंतस से सरस्वती की सहस्त्रधारा स्फुटित होने लगती है। उनके कार्यस्थल पर बने छोटे-से संग्रहालय की दीवारों पर सजे सैकडों उपहार, सम्मान एवं प्रमाणपत्र 'लोक सम्मान' की प्रत्यक्ष गवाही देते हैं। संग्रहालय में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी स्मृति न्यास-रायबरेली द्वारा वर्ष 2022 में प्रदान किया गया 'डॉ राम मनोहर त्रिपाठी लोक सेवा सम्मानपत्र' भी सुशोभित है। इसे देखना अपने में एक नए अनुभव से गुजरना है। इसी संग्रहालय के एक किनारे छोटे से स्थान पर कविजी का एक तखत बिछा है। इसी पर गृहस्थ हलधर नाग की रातें बीतती-कटती हैं। हलधर नाग का नंगे पैर रहने के पीछे तर्क है-'माँ की गोद में चप्पल पहनकर कौन बैठता है? मां के सीधे स्पर्श से ऊर्जा और शक्ति प्राप्त होती है'। हलधर नाग केवल इसलिए बड़े नहीं है कि उन्हें 'पद्मश्री' प्राप्त है। इससे बड़ी है, उनकी सरलता-सहजता। उनके व्यक्तित्व का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि वह ओडिशा-छत्तीसगढ़ की सीमा पर आदिवासी बच्चों के लिए

ज्ञान से मित्रता

नाम पदार्थ नहीं है। वह वस्तु या पदार्थ का भाषिक प्रतिनिधि है। नाम और रूप मिलाकर ज्ञान बनते हैं। इसके सामाजिक बोध और ज्ञान को साझी बनाने के लिए भाषा चाहिए। भाषा सुबोध चाहिए। सुसंस्कृत भी चाहिए। ऋषि कहते हैं, 'सूप से सत्तू स्वच्छ करने की तरह मेधावी जन भाषा गढ़ते हैं और मित्रगण आत्मीय भाव से समझ लेते हैं।

हृदयनारायण दीक्षित

ज्ञान से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं। गीता की घोषणा है-नहि ज्ञानेन पवित्रमिह विद्यते। ऋग्वेद में 'ज्ञान' विषयक एक सूक्त (ऋ0 10.71) है। 'ज्ञान यहां एक देवता हैं। ऋग्वेद के देवता अभिभूत करते हैं। यहां पशु-पक्षी भी देवता हैं। कृषि भी देवता है। साहस (मन्यु) भी देवता हैं। श्रद्धा और हाथ भी देवता है। जहां-जहां दिव्यता वहां-वहां देवता। वस्तुओं मनोभावों को देवता मानने की वैदिक शैली अनूठी है। यही परम्परा ट्रक चालक भी निभाते हैं। वह गाड़ी पर बैठते ही स्टीयरिंग को प्रणाम करता है, सिर झुकाता है चल देता है। लोग ऐसे कृत्यों पर हंसते हैं। हंसना जायज है। स्टियरिंग को प्रणाम करने का कोई तुक नहीं। लेकिन ऋग्वेद में नमस्कार भी देवता हैं। मूर्ति, स्टीयरिंग, किताब, पेड़ या नदी को किए गए नमस्कार का सीधा सम्बंध हमारी अंतश्चेतना से है। मूर्ति या स्टीयरिंग नमस्कार के भूखे नहीं है। वे इसका जवाब भी नहीं देते। लेकिन नमस्कार से हमारे मन और काया में रासायनिक परिवर्तन होते हैं। नमस्कार अंतःकरण को प्रीतिभाव से भरता है। सृष्टि के प्रारम्भ में कोई एक आदि तत्व या मूलभूत द्रव्य रहा होगा। उसी से भिन्न भिन्न पदार्थो का विकास हुआ। परम तत्व एक से अनेक रूपों में हो गया। ऋषि बताते हैं 'अग्रं यत्प्रैरत नामधेयं दधानाः-प्रारम्भिक स्थिति में विभिन्न पदार्थो का नामकरण ही ज्ञान का प्रथम सोपान बना। इनका शुद्ध ज्ञान अनुभूति में होता है और वह अंतः प्रेरणा से प्रकट होता है।' (ऋ0 10.71.1) रूप देखकर नाम रखना, रूप के साथ नाम मिलाकर जानना ज्ञान की शुरूवात है। रूपों के भीतर छुपे गुण-धर्म का ज्ञान अनुभव से ही आता है। यहां अनुभव पर जोर है। जलती अग्नि या बहती हुई नदी दिखाई पड़ीं यह रूप था। नाम रखा गया अग्नि या नदी। रूप के साथ नाम याद रखना ज्ञान की प्रथम सीढ़ी है। नाम पदार्थ नहीं है। वह वस्तु या पदार्थ का भाषिक प्रतिनिधि है। नाम और रूप मिलाकर ज्ञान बनते हैं। इसके सामाजिक बोध और ज्ञान को साझी बनाने के लिए भाषा चाहिए। भाषा सुबोध चाहिए। सुसंस्कृत भी चाहिए। ऋषि कहते हैं, 'सूप से सत्तू स्वच्छ करने की तरह मेधावी जन भाषा गढ़ते हैं और मित्रगण आत्मीय भाव से समझ लेते हैं। ऐसे सफल विद्वान की वाणी में लक्ष्मी का निवास होता है' (वही, मन्त्र 2) भाषा ज्ञानी की वाणी में सरस्वती नहीं लक्ष्मी के निवास का रूपक है। वाणी स्वयं देवी है। वह स्वयं सरस्वती है। भाषा का ज्ञान अतिरिक्त समृद्धि है। इसलिए यहां लक्ष्मी का रूपक है। आगे कहते हैं 'ज्ञानियों ने तत्वज्ञानियों के अंतःकरण में प्रविष्ट भाषा को प्राप्त किया। उसे प्रसारित किया।' (वही, मन्त्र-3) ज्ञानी को तत्वज्ञानियों से भाषा संस्कार मिले। तब उनका प्रसार हुआ।माना जाता है कि जो प्रत्यक्ष है, वह सत्य है, वही ज्ञान है। ऋषि सतर्क करते हैं 'अनेक लोग देखकर भी ज्ञान नहीं पाते। अनेक लोग सुनकर भी ज्ञान नहीं पाते। लेकिन सुपात्र के सामने वाणी स्वयं ही अपना सत्य रूप प्रकट कर देती है।' (वही, मन्त्र 4) पढ़कर लिख देना एक शैली है। लोग ऐसे लेखकों को विद्वान कहते हैं। सुना-सुनाया दोहरा देने वाले भी ज्ञानी जैसी प्रतिष्ठा पाते हैं लेकिन ऋषि कहते हैं, 'शाब्दिक भावों को ग्रहण करने और उन्हें दोबारा प्रकट करने वाले प्रशंसा पाते है परन्तु उनमें से भी बहुत ऐसे हैं जो भाषा का फल (अर्थ) और फूल (अभिप्राय) नहीं जानते, ऐसे लोग दूध रहित गाय दुहते हैं। वाणी के जरिए प्रपंच करते हैं।' (वही मन्त्र 5) खास बात है अनुभव। अनुभूति ही ज्ञान को वास्तविक बताती है। ऋषि ज्ञान से मित्रता; को जरूरी बताते है 'जो सत्य ज्ञान की धारा से मित्रता त्याग देते हैं यस्ति त्याज सचिविदं सखायं-ज्ञान से सखा भाव नहीं रखते, उन्हें दिव्यवाणी (ज्ञान) में अपना हिस्सा नहीं मिलता।' (वही-मन्त्र 6)

ऋग्वेद में एक समान ज्ञानी, एक समान श्रोत्रशक्ति सम्पन्न मेधावी भी एक समान नहीं बताये गये। कहते हैं 'दर्शन शक्ति सम्पन्न, श्रोत्रशक्ति सम्पन्न, एक समान ज्ञान से युक्त मित्र भी अनुभव जन्य ज्ञान में एक समान नहीं होते।' (वही मन्त्र 7) साथ साथ रहने वाले, आपस में मित्र, एक ही विषय में एक जैसी उच्च शिक्षा प्राप्त विद्वान भी अनुभव भिन्नता के कारण एक समान नहीं हो सकते। सत्यबोध ही ज्ञान है। हम सबका इन्द्रिय बोध एक ही पदार्थ के रूप को भिन्न-भिन्न रूप में ग्रहण करता है। सत्य सदा सत्य है। सत्य त्रिकाल अबाधित होता है। भूत, भविष्य और वर्तमान उस पर प्रभाव नहीं डालते। अस्तित्व सत्य है। व्यक्त भी सत्य है पर समूचा व्यक्त भिन्न-भिन्न रूपों में विभाजित जान पड़ता है। रूप प्रत्यक्ष हैं, सत्य हैं। परिवर्तनशीलता भी सत्य है। रूप का अंतस्-अव्यक्त सत्य है। अव्यक्त अरूप सदा एक है।

भाषा की शक्ति बड़ी है लेकिन असीम और अनंत नहीं हैं। वस्तु, व्यक्ति या रूप का नाम लेना आसान है लेकिन चित्त में उभरने वाले भावों का वर्णन दुष्कर। परम चेतना विराट है। असीम है। परम चेतन की व्याख्या नहीं हो पाती। भाषा और शब्दों की सीमा है। तब उसकी चर्चा हो कैसे? वैदिक काव्य में परस्पर विरोधी गुणों को जोड़कर विराट को समझाने का रम्य प्रयास है। उसे भाषा में समझाया नहीं जा सकता। वह अनुभूति अनिर्वचनीय है, अव्याख्येय है। उसकी व्याख्या असंभव है। पुराणों में उसे अव्याख्येय बताते हुए बड़े दिलचस्प प्रतीक गढ़े गये कि समुद्र को स्याही और हिमालय को कलम बनाकर भी उसका वर्णन नहीं हो सकता। बड़े से बड़े द्रष्टा, कवि और देवता, आदि भी उसके सामर्थ्य का वर्णन नहीं कर सकते। लेकिन ऋषियों ने उसे अनुभूति में जाना था। वे गद्गद् थे। परम उल्लास में थे। उल्लास से ही मंत्र काव्य फूटे, लेकिन विराट का वर्णन असंभव था।

विराट को समझना बड़ा कठिन है। प्रगाढ़ अनुभूति में उसका बोध हो भी जाए तो बोध को बताना और भी कठिन। पुराणों में गूंगे के स्वाद का प्रतीक इस्तेमाल हुआ है। स्वाद की मधुमयता का बखान गूंगा करे तो कैसे करे? अस्तित्व की अनुभूति का बखान और भी असंभव है। तुलसीदास ने गाया है 'एक दारूगत देखिय एकू/पावक सम जुग ब्रह्म विवेकू-एक अग्नि प्रत्यक्ष है, वही अग्नि गुप्त है, ब्रह्म भी ऐसा ही है, जो प्रत्यक्ष है वह ब्रह्म, जो अप्रत्यक्ष है वह भी ब्रह्म। व्यक्त प्रत्यक्ष हैं, अव्यक्त में वे एक है। ऋग्वेद (10.5.7) में कहते हैं, 'असच्च सच्च परमें व्योमन-परम व्योम में सत असत दोनों हैं।' सच्च/असच्च हमारी आंखे देखती हैं। इसे समझाने के लिए दो शब्दों का प्रयोग हुआ। असल बात परम व्योम है। मंत्रों के लिए कहते है 'ऋचा अक्षर परम व्योमन-ऋचाएं/मंत्र परम व्योम में रहते है।' अव्यक्त परब्रह्म जब व्यक्त प्रकट बनता है तब सत असत। सृष्टि का व्यक्त भाग ही इकाई में व्यक्ति है और भाषा में अभिव्यक्ति है। संसार में व्यक्त है अनंत में अव्यक्त और व्यक्त है।

ब्रह्म सम्पूर्णता का पर्यायवाची है। यह वेदांत दर्शन का प्रिय विषय है। ऋग्वेद में प्रकृति की तमाम शक्तियों को विभिन्न देवनाम दिए गये हैं। लेकिन मूल सत्य एकं सद् है। उपनिषदों में ऋग्वेद की एकंसद (एक ही सत्य) अनुभूति का विकास है। ऋग्वेद में उसे इन्द्र अग्नि और वरूण अदिति जैसे नाम दिए गये। उपनिषदों में उसे ब्रह्म, सच्चिदानंद, प्राण और ईश्वर जैसे अशरीरी/आधिभौतिक नामों से जाना गया। लेकिन नाम से क्या होता है? नाम रूप के साथ ज्ञान से मित्रता जरूरी है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

कार्तिक मास में तुलसी विवाह का महत्व

कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी को तुलसी पूजन का उत्सव पूरे भारत वर्ष में धूमधाम के साथ मनाया जाता है। मान्यता है कि कार्तिक मास में जो भी व्यक्ति तुलसी जी का विवाह भगवान शालीग्राम से कराता है उसको सभी पापों से मुक्ति मिल जाती है। इस दिन देवोत्थान एकादशी तथा भीष्म पंचक एकादशी भी मनाई जाती है। दीपावली के ठीक बाद पड़ने वाली इस एकादशी को प्रबोधिनी एकादशी भी कहा जाता है। कहा जाता है कि कार्तिक मास में तुलसी के पास दीपक जलाने से अनंत पुण्य प्राप्त होता है। तुलसी को साक्षात लक्ष्मी का निवास माना जाता है इसलिए कहा जाता है कि जो भी इस मास में तुलसी के समक्ष दीप जलाता है उसे अत्यन्त लाभ होता है। इस दिन सुबह उठ कर स्नान आदि से निवृत्त हो सच्चे मन से व्रत रखना चाहिए और शाम को एक सुंदर मण्डप की स्थापना कर विधि पूर्वक गाजे बाजे के साथ तुलसी जी का विवाह भगवान शालीग्राम से कराना चाहिए। तुलसी भगवान विष्णु को काफी प्रिय हैं। तुलसी का विवाह करने के बाद पौधा किसी ब्राम्हण को देना चाहिए। तुलसी विवाह का आयोजन इसलिए किया जाता है क्योंकि देवोत्थान एकादशी से छह महीने तक देवताओं का दिन प्रारंभ हो जाता है। इसलिए तुलसी का भगवान श्री हरि विष्णु के शालीग्राम स्वरूप के साथ प्रतीकात्मक विवाह कर श्रद्धालु उन्हें बैकुण्ठ धाम के लिए विदा करते हैं।

तुलसी विवाह की विधि

सर्वप्रथम विवाह के तीन माह पूर्व से ही तुलसी के पौधे को नियमित सींचें और पूजन करें। उसके बाद विवाह मुहूर्त में मंगलगान और मंत्रोच्चारण से मंडप का निर्माण करें और चार ब्राह्मणों द्वारा गणपति-मातृका पूजन और पुण्याहवाचन कराएं। तत्पश्चात मंदिर की साक्षात मूर्ति के साथ लक्ष्मीनारायण तथा तुलसी को शुभ आसन पर पूर्वाभिमुख विराजमान करें। यजमान पत्नी के साथ उत्तराभिमुख आसन ग्रहण करें। अब गोधुलीय समय में वर की पूजा करें और मंत्रोच्चार सहित कन्या दान करें। इसके बाद हवन और अग्नि परिक्रमा कराएं और फिर वस्त्र और आभूषण आदि अपने सामर्थ्य अनुसार चढ़ाएं। अब ब्राह्मणों को भोजन कराने के बाद खुद भी भोजन कर लें और अंत में मंगलगान से विवाह कार्यक्रम का समापन करें।

तुलसी विवाह व्रत कथा

भगवान श्रीकृष्ण की पत्नी सत्यभामा को अपने रूप पर बड़ा गर्व था। वे सोचती थीं कि रूपवती होने के कारण ही श्रीकृष्ण उनसे अधिक स्नेह रखते हैं। एक दिन जब नारदजी उधर गए तो सत्यभामा ने कहा कि आप मुझे आशीर्वाद दीजिए कि अगले जन्म में भी भगवान श्रीकृष्ण ही मुझे पति रूप में प्राप्त हों। नारदजी बोले, 'नियम यह है कि यदि कोई व्यक्ति अपनी प्रिय वस्तु इस जन्म में दान करे तो वह उसे अगले जन्म में प्राप्त होगी। अतः तुम भी श्रीकृष्ण को दान रूप में मुझे दे दो तो वे अगले जन्मों में जरूर मिलेंगे।'

सेहत

नमक ही नहीं शरीर में पोटैशियम की कमी भी हो सकती है हाई बीपी की वजह

जैसे ही लोग 40 की उम्र पार करते हैं, वैसे ही अधिकतर लोग अपनी थाली से नमक कम कर देते हैं। साथ ही अचार, पापड़ और चिप्स जैसी चीजों से दूरी बना लेते हैं। लेकिन इसके बाद भी उनका ब्लड प्रेशर कंट्रोल नहीं होता है। क्योंकि हमारी थाली में सिर्फ नमक ज्यादा नहीं है, बल्कि पोटैशियम बहुत कम है। इस कारण ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने की जो कहानी है, वह अधूरी रह जाती है। हालांकि इसको करना मुश्किल नहीं है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि पोटैशियम की सही डोज क्या है और इसको किस तरह से डाइट में शामिल करना चाहिए।पोटैशियम न सिर्फ एक्स्ट्रा नमक को यूरिन के रास्ते बाहर निकालता है। लेकिन यह आर्टरी की मांसपेशियों को भी शांत करता है। रिसर्च के मुताबिक अगर डेली पोटैशियम 3.5 ग्राम से ज्यादा हो जाए, तो सिस्टोलिक बीपी में 4-6 ल्ॅ तक की गिरावट आ सकती है। यह उतना ही होता है, जितना शुरूआती बीपी दवाओं से होता है। रोजाना सुबह 200' नारियल पानी या फिर 1 केला का सेवन करें। इन दोनों में ही 400 पोटैशियम होता है। नाश्ते में आप अंकुरित मूंग चाट खा सकते हैं। इसमें करीब 650 पोटैशियम और सिर्फ 400 सोडियम होता है। वहीं दोपहर के खाने में आप ऐसी सब्जियों को शामिल करें, जोकि पोटैशियम से भरपूर हों। शाम को स्नैक्स में आप चिप्स, पापड़ या भुजिया की जगह एक मुट्ठी बिना नमक वाली मूंगफली या उबले चने खा सकते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

आंवला वृक्ष के छांव में परिवार संग भोजन करने से सुख शांति प्राप्ति होती है : पुरोहित

साहिबगंज : आंवला नवमी के अवसर पर गुरुवार को शहर के पुलिस लाइन मंदिर,चौक बाजार स्थित महाकालेश्वर मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में आंवला वृक्ष के नीचे श्रद्धालु पहुंचकर पूजा अर्चना किए।वही पुरोहित ने आंवला वृक्ष के नीचे कथा सुनाया।श्रद्धालुओं ने आंवला वृक्ष के नीचे पकवान बनाकर सपरिवार भोजन किया।पुरोहित विजय कुमार ने बताया कि आंवला नवमी पर आंवला वृक्ष की पूजा अर्चना करने ओर आंवला वृक्ष के छांव में परिवार संग भोजन करने से सुख शांति प्राप्ति होती है।

एलाइजा टेस्ट व ब्लड सेपरेटर मशीन की कमी पाई गई : डीआई

साहिबगंज : स्वास्थ्य,परिवार चिकित्सा कल्याण विभाग की टीम में शामिल रांची से आए डीआई अमित कुमार, साहिबगंज सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान व ब्लड बैंक के एमओआईसी डॉ अलीमुद्दीन ने गुरुवार को सदर अस्पताल स्थित ब्लड बैंक का निरीक्षण किया।इस दौरान टीम ने मूलभूत कमियों,ब्लड टेस्टिंग प्रोटोकॉल और टेस्टिंग के आधार रिकॉर्ड संधारण,स्वच्छता व अन्य व्यवस्थाओं की जांच-पड़ताल की।डीआई अमित कुमार ने बताया कि जांच के दौरान यहां एलाइजा टेस्ट व ब्लड सेपरेटर मशीन की यहां कमी पाई गई।उन्होंने बताया कि जल्द ही यहां सभी सेवाएं मुहैया कराई जाएंगी।

शिक्षा विभाग के स्थापना एवं पदस्थापन को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिलादण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में गुरुवार को शिक्षा विभाग के स्थापना एवं पदस्थापन से सबंधित समीक्षा बैठक का आयोजन उपायुक्त कार्यालय में किया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त द्वारा जिलों के विभिन्न विद्यालयों में शिक्षकों के पदस्थापन से संबंधित महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। आगे उपायुक्त द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि शिक्षा व्यवस्था को सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के लिए पदस्थापन प्रक्रिया में पारदर्शिता व समयबद्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि जिन विद्यालयों में शिक्षकों की कमी है, वहाँ शीघ्र आवश्यक कार्रवाई कर पदस्थापन किया जाए।

बैठक में उपायुक्त श्री लकड़ा द्वारा शिक्षकों के सेवा संपुष्टि से संबधित मामलों का भी समीक्षा किया गया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निदेशित करते हुए कहा गया कि शिक्षकों के सेवा संपुष्टि के मामले में नियमानुसार उचित कार्यवाही किह जाय। बैठक में उपविकास आयुक्त पीयूष सिन्हा, जिला कल्याण पदाधिकारी दयानंद दुबे, जिला शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक मधुकर कुमार एवं संबंधित विभाग के कर्मी आदि उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा को लेकर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : उपायुक्त

दुमका : समाहरणालय के सभागार कक्ष में गुरुवार को जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने पिछले बैठक में दिए गए निदेशों के अनुपालन की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

उपायुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि सड़क सुरक्षा को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि जो भी वाहन सरिया लेकर चलते हैं, उनके सरिया के अंतिम छोर पर लाल कपड़ा अवश्य बंधा हो, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे। उपायुक्त ने थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि यदि कोई वाहन बिना लाल कपड़े के सरिया लेकर चलता पाया जाता है, तो ऐसे वाहनों को तत्काल जब्त (सीज) किया जाए।

बैठक में उपायुक्त ने दुमकाझपाकुड़ मुख्य मार्ग एवं पुसारो से फूलो-झानो चौक तक क्षतिग्रस्त सड़क को शीघ्र दुरुस्त कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दुर्घटना संभावित क्षेत्रों एवं ब्लाइंड टर्न्स पर कन्वैक्स मिरर लगाना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी प्रमुख सड़कों पर बने पोर्ट होल्स (गड्ढों) को चिन्हित कर उनकी मरम्मत कराई जाए।उपायुक्त ने हिट एंड रन मामलों की समीक्षा करते हुए सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि आवश्यक जांच एवं प्रक्रिया पूरी कर आवेदन अनुमंडल पदाधिकारी को भेजें।

बैठक में यह जानकारी दी गई कि वाहन जांच अभियान के माध्यम से सितंबर माह में कुल 15 लाख 43 हजार रुपए का राजस्व संकलित किया गया है। उपायुक्त ने सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से अपने-अपने क्षेत्र में दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की जांच करें तथा नियम उल्लंघन की स्थिति में आवश्यक विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करें। विद्यालयों के वाहनों की सुरक्षा पर विशेष बल देते हुए उपायुक्त ने कहा कि सभी स्कूल बसों की जांच की जाए कि उनका परिचालन निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप हो रहा है या नहीं।

चिकित्सा कर्मी 24 घंटे उपलब्ध रहें ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो : सिविल सर्जन

संवाददाता

साहिबगंज : रात्रि सिविल सर्जन-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, साहिबगंज डॉ. रामदेव पासवान द्वारा सदर अस्पताल, साहिबगंज का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने इमरजेंसी वार्ड, सहित अन्य महत्वपूर्ण इकाइयों का विस्तृत जायजा लिया।निरीक्षण के क्रम में सिविल सर्जन ने इमरजेंसी वार्ड में उपस्थित चिकित्सक पैरामेडिकल स्टाफ की उपस्थिति का निरीक्षण किया। वहाँ उपलब्ध दवाइयों, उपकरणों और रोगियों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता की समीक्षा की। इसके उपरांत उन्होंने एस एनसीयु वार्ड का निरीक्षण करते हुए भर्ती नवजात

शिशुओं की स्थिति, उनकी देखभाल, ऑक्सीजन सपोर्ट सिस्टम व ड्यूटी पर तैनात कर्मियों की उपस्थिति का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने उपस्थित चिकित्सा टीम को निर्देश दिया कि नवजातों की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो एवं प्रत्येक शिशु को आवश्यक चिकित्सीय सुविधा समय पर उपलब्ध कराई जाए।निरीक्षण के दौरान डॉ. पासवान ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, मरीजों को दी जा रही सुविधाओं, एवं रिकॉर्ड संधारण में पारदर्शिता बनाए रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिया कि सभी वार्डों में आवश्यक औषधियाँ, उपकरण एवं चिकित्सा कर्मी 24 घंटे उपलब्ध रहें।ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।सिविल सर्जन ने यह भी कहा कि मरीजों की बेहतर सेवा ही चिकित्सा प्रणाली की सफलता का आधार है, अतः सभी स्वास्थ्यकर्मी समर्पित भावना से कार्य करें।

समाज के उत्थान को लेकर भी कई प्रस्ताव लिए गए

साहिबगंज:रौनियार वैश्य समाज की बैठक गुरुवार को प्रकास गुप्ता की अध्यक्षता में हुई।बैठक में आगामी 11 नवंबर को शहर के आए बी पैलेस में होने वाले रौनियार वैश्य महासम्मेलन सह सांस्कृतिक कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक में समाज के उत्थान को लेकर भी कई प्रस्ताव लिए गए।बताया गया कि साहिबगंज में समाज का प्रखण्ड स्तरीय समिति का गठन,विवाह योग्य युवक व युवतियों के बायोडाटा वाली एक पुस्तक का विमोचन का प्रस्ताव लिया गया। बैठक में प्रकाश गुप्ता व संजय गुप्ता को साहिबगंज प्रखण्ड कमिटी का संयोजक मनोनीत कर उन्हें 20 आमंत्रण पत्र सौंपा गया।बैठक में अवधेश कुमार गुप्ता, मनोज कुमार साह,अनूप कुमार साह, विनोद कुमार गुप्ता,सुमन,संजय कुमार गुप्ता सहित अन्य मौजूद थे।

साहिबगंज में एनडीआरएफ ने दो दिवसीय मॉक अभ्यास की शुरूआत की

संवाददाता

साहिबगंज : समहरणालय सभागार में एफडब्लु आर के तहत नौ बीएन एनडीआरएफ पटना के सौजन्य से दो दिवसीय मॉक अभ्यास 31अक्टूबर को आयोजित किया गया। इसी क्रम में समाहरणालय साहिबगंज में संबंधी बैठक आहूत की गई जिसमें अपर समाहर्ता, साहेबगंज, सिविल सर्जन साहिबगंज एसडीपीओ सदर, थाना प्रभारी नगर,जीरवाबाडी,गंगा अग्नि शामक पदाधिकारी, आईटी मैनेजर,आपदा मित्र एवं गोताखोर के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे।आज शकुन्तला घाट साहिबगंज समय 10:00 बजे पूर्वाह्न से वॉटर रेशीयो से संबंधी मॉक ड्रिल का आयोजन किया जाएगा। जिसमें वास्तविक परिस्थिति का अनुकरण करते हुए बचाव व राहत कार्यों का अभ्यास किया जाएगा।इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य आपदा के दौरान जिला प्रशासन, एनडीआरएफ और एसडीआर एफ, पुलिस बल एवं अन्य सहयोगी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है। ताकि बाढ़ जैसी आपदाओं से निपटने में तत्परता एवं दक्षता सुनिश्चित हो सके।

जनता दरबार में अपर समाहर्ता ने किया ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान

संवाददाता

देवघर : जिलावासियों के समस्याओं के समाधान और त्वरित निष्पादन को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के निदेर्शानुसार अपर समाहर्ता हीरा कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। साथ ही मौके पर जिलास्तर के सभी अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे, ताकि ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान संबंधित विभाग द्वारा किया जा सके। इसके अतिरिक्त जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने जनता दरबार में भू-अर्जन व मुआवजा भुगतान से संबंधित, अनुकम्पा, बिजली बिल माफी, झारखण्ड मुख्यमंत्री मईंया सम्मान योजना, फसल बीमा योजना, भू-राजस्व, पेंशन, आवास से जुड़े मामलों को अपर समाहर्ता के समक्ष रखा। साथ ही अपर समाहर्ता द्वारा वहां उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं

आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात अपर समाहर्ता श्री कुमार ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया गया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें, ताकि शिकायतों के निष्पादन की निगरानी की जा सके।

कुश्ती प्रतियोगिता के दूसरे दिन उत्तर प्रदेश के पहलवानों का दबदबा कायम रहा

संवाददाता

साहिबगंज : झारखण्ड प्रदेश यादव महासभा द्वारा आयोजित दो दिवसीय कुश्ती प्रतियोगिता के दूसरे दिन उत्तर प्रदेश के पहलवानों का दबदबा कायम रहा।गौशाला मेला परिसर में हो रहे अन्तर्राज्यीय कुश्ती प्रतियोगिता का आरंभ प्रदेश यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बजरंगी प्रसाद यादव,कार्यकाटी अध्यक्ष रामाशीष यादव,प्रधान महासचिव इंद्रजीत यादव सहित अन्य अतिथियो का स्वागत पगड़ी पहनाकर किया गया।आज पुरे गौशाला परिसर मे लोगो का जमघट लगा रहा।पहलवानो के दावेपेंच के साथ लोगों का उत्साह भी चरम पर था।वही प्रदेश अध्यक्ष बजरंगी प्रसाद यादव पहलवानों का उत्साह बढ़ाते नजर आये।वही मंच संचालन एवं मैच कमेंटेटरी का दायित्व प्रदेश यादव महासमा के प्रदेश महामंत्री राजेश यादव ने किया।वहीं वासुकीनाथ यादव और राजन सिंह ने रेफरी की भूमिका निभाई।सीनियर कुश्ती में धमाका पहलवान देवरिया,मोहित पहलवान बनारस विराट पहलवान बनारस अमित पहलवान(गाजीपुर) दीपक यादव महादेवगंज गौतम पहलवान भागलपुर राजन सिंह झारखंड करण पहलवान कटिहार पप्पू यादव महादेवगंज ने विजयी हासिल की।वही सभी जीते प्रतिभागियों को यादव महासभा के प्रदेश अध्यक्ष बजरंगी प्रसाद यादव,कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष यादव सहित अन्य अतिथियों ने ट्राफी, मोमेंटो एवं नगद राशि देकर सम्मानित किया।इस मौके पर बनारस यादव,दारासिंह यादव,वासुकीनाथ यादव अशोक यादव,कृष्णा शर्मा, विकास यादव, टुनटुन यादव,विवेक यादव, यशराज यादव,नंदन यादव,बुधन यादव रामचंद्र यादव, सहित काफी संख्या में ग्रामीण भौजूद थे।

बंगाली समुदाय ने किया मां जगधात्री का पूजा

साहिबगंज : शहर के बंगाली टोला दुर्गा मंदिर प्रांगण में जगत जननी मां जगदंबा के स्वरूप मां जगधात्री की पूजा गुरुवार को वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से किया गया।दो दिवसीय जगधात्री पूजा के पहले दिन पश्चिम बंगाल के पुरोहित ने विधिवत रूप से पूजन आरती करके भोग लगाया और प्रसाद श्रद्धालुओं के बीच वितरण किया गया। मंदिर समिति सचिव रंजीत सिंह ने बताया कि बंगाली समुदाय के लोग बड़े ही धूमधाम से मां जगधात्री पूजा का आयोजन करके पूजन करते है।माता रानी का प्रतिमा विसर्जन शुक्रवार दोपहर बाद ढोल नगाड़ा के साथ किया जाएगा।

भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं और धरती पर शुभ कार्यों की शुरूआत होती है

हिन्दू धर्म में इसे मानसून का अन्त और विवाह के लिये उपयुक्त समय के रूप में माना जाता है

योग हिंदू पंचांग के अनुसार, एकादशी तिथि 1 नवंबर 2025 को सुबह 01:11 बजे शुरू होगी

संवाददाता

साहिबगंज : तुलसी विवाह हिन्दू धर्म के अनुयायीयों द्वारा किया जाने वाला एक औपचारिक विवाह कार्यक्रम है जिसमें तुलसी नामक पौधे का विवाह शालीग्राम अथवा विष्णु और उनके अवतार कृष्ण के साथ किया जाता है। हिन्दू धर्म में इसे मानसून का अन्त और विवाह के लिये उपयुक्त समय के रूप में माना जाता है। कार्तिक माह की शुक्ल एकादशी को देवउठनी व देवोत्थान एकादशी मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं और धरती पर शुभ कार्यों की शुरूआत होती है। इसके अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर तुलसी विवाह का आयोजन भी किया जाता है।कार्तिक माह की शुक्ल एकादशी को देवउठनी या देवोत्थान एकादशी मनाई जाती है। मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं और धरती पर शुभ कार्यों की शुरूआत होती है। इसके अगले दिन यानी द्वादशी तिथि पर तुलसी विवाह का आयोजन भी किया जाता है।देवउठनी एकादशी 2025 की तिथि और योग हिंदू पंचांग के अनुसार, एकादशी तिथि 1 नवंबर 2025 को सुबह 01:11 बजे शुरू होगी और 2 नवंबर को सुबह 07:31 बजे समाप्त होगी। एकादशी का व्रत 1 नवंबर को रखा जाएगा और पारण 2 नवंबर को किया जाएगा। देवउठनी एकादशी व्रत का महत्व आषाढ़ शुक्ल एकादशी से लेकर कार्तिक शुक्ल एकादशी तक का समय भगवान विष्णु की शयन अवधि यानी चातुर्मास कहलाता है। इस दौरान विवाह और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं।देवउठनी एकादशी को भगवान विष्णु के जागरण के साथ ही सभी शुभ कार्यों का आरंभ माना जाता है। शास्त्रों के अनुसार, इस व्रत का फल हजारों अश्वमेध यज्ञों और सैकड़ों राजसूय यज्ञों के बराबर होता है। यह व्रत पापों का नाश और मोक्ष की प्राप्ति कराने वाला माना गया है। देवउठनी एकादशी पूजा विधि

प्रातःकाल स्नान के बाद व्रत संकल्प लें।भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की मूर्ति या चित्र के सामने दीपक जलाएं।तुलसी दल, पीले पुष्प और पंचामृत से पूजा करें।विष्णु सहस्त्रनाम या ह्लॐ नमो भगवते वासुदेवायह्व मंत्र का जाप करें।रात्रि में भगवान की आरती कर दीपदान करें।अगले दिन पारण समय में व्रत खोलें।तुलसी विवाह 2025 की तिथि और कारण देवउठनी एकादशी के अगले दिन तुलसी विवाह होता है। एकादशी व्रत 1 नवंबर को होगा और पारण तथा तुलसी विवाह 2 नवंबर को है।2 नवंबर 2025 को तुलसी विवाह के शुभ मुहूर्त ब्रह्म मुहूर्तः सुबह 04:50 से 05:42 बजे तक अभिजीत मुहूर्तः सुबह 11:42 से 12:26 बजे तक विजय मुहूर्तः दोपहर 01:55 से 02:39 बजे तक गोधूलि मुहूर्तः शाम 05:35 से 06:01 बजे तक अमृत कालः सुबह 09:29 से 11:00 बजे तक त्रिपुष्कर योगः सुबह 07:31 से शाम 05:03 बजे तक शुभ चौघड़िया मुहूर्त लाभ उन्नति 09:19 एएम से 10:42 एएम अमृत सर्वोत्तम 10:42 एएम से 12:04 पीएम शुभ उत्तम 01:27 पीएम से 02:50 पीएम शुभ उत्तम 05:35 पीएम से 07:13 पीएम तुलसी विवाह की विधि तुलसी के पौधे को गेरू से सजाएं और उस पर चुनरी ओढ़ाएं।ईंख का मंडप बनाकर भगवान शालिग्राम विष्णु स्वरूप को तुलसी के साथ बैठाएं।हल्दी, कुमकुम, फूल और चूड़ियां अर्पित करें।विवाह मंत्रों के साथ तुलसी-शालिग्राम की परिक्रमा करें।अंत में घर में दीपदान करें और प्रसाद बांटें।उपाय तुलसी विवाह या देवउठनी के दिन तुलसी के पास घी का दीपक जलाएं। औह्लॐ श्रीं ह्रीं क्लीं श्री सिद्ध लक्ष्म्यै नमः मंत्र का 108 बार जाप करें।ब्राह्मण या गरीब को अन्न, वस्त्र और दक्षिणा का दान करें।रात को तुलसी के पास दीपक जलाकर रखें- इससे घर में लक्ष्मी स्थायी रूप से वास करती हैं।

साल 2025 में अब इन ग्रहों की बदलेगी चाल, इन राशियों को होगा लाभ अपना राशिफल जाने

मेष,वृष,मिथुन,कर्क,सिंह,कन्या,तुला,वृश्चक,धनु,मकर,कुंभ ,मीन ज्योतिष और धर्म- अध्यात्म से जुड़ी हुई अध्यात्म के साथ ही प्रकृति में गहरी रुचि है जिस कारण भारत के विभिन्न मंदिरों का भ्रमण करते रहते हैं।और पढ़ें जानें धर्म हिंदू कैलेंडर से जानें शुभ तिथियां और बनाएं हर दिन को खास। देवउठनी एकादशी पूजा विधिप्रातःकाल स्नान के बाद व्रत संकल्प लें।भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की मूर्ति या चित्र के सामने दीपक जलाएं।तुलसी दल, पीले पुष्प और पंचामृत से पूजा करें।विष्णु सहस्त्रनाम या ॐ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जाप करें।रात्रि में भगवान की आरती कर दीपदान करें।अगले दिन पारण समय में व्रत खोलें तुलसी विवाह 2025 की तिथि और कारणदेवउठनी एकादशी के अगले दिन तुलसी विवाह होता है। एकादशी व्रत 1 नवंबर को होगा और पारण तथा तुलसी विवाह 2 नवंबर को है।2 नवंबर 2025 को तुलसी विवाह के शुभ मुहूर्तब्रह्म मुहूर्तः सुबह 04:50 से 05:42 बजे तकअभिजीत मुहूर्तः सुबह 11:42 से 12:26 बजे तकविजय मुहूर्तः दोपहर 01:55 से 02:39 बजे तकगो धूलि मुहूर्तः शाम 05:35 से 06:01 बजे तक अमृत कालः सुबह 09:29 से 11:00 बजे तक त्रिपुष्कर योगः सुबह 07:31 से शाम 05:03 बजे तक शुभ चौघड़िया मुहूर्त लाभ उन्नति 09:19 एएम से 10:42 एएम अमृत सर्वोत्तम 10:42 एएम से 12:04 पीएम शुभ उत्तम 01:27 पीएम से 02:50 पीएम शुभ उत्तम 05:35 पीएम से 07:13 पीएम तुलसी विवाह की विधि तुलसी के पौधे को गेरू से सजाएं और उस पर चुनरी ओढ़ाएं।ईंख का मंडप बनाकर भगवान शालिग्राम विष्णु स्वरूप को तुलसी के साथ बैठाएं।हल्दी, कुमकुम, फूल और चूड़ियां अर्पित करें।विवाह मंत्रों के साथ तुलसी-शालिग्राम की परिक्रमा करें।अंत में घर में दीपदान करें और प्रसाद बांटें। उपाय तुलसी विवाह या देवउठनी के दिन तुलसी के पास घी का दीपक जलाएं। औह्लॐ श्रीं ह्रीं क्लीं श्री सिद्ध लक्ष्म्यै नमःह्व मंत्र का 108 बार जाप करें।ब्राह्मण या गरीब को अन्न, वस्त्र और दक्षिणा का दान करें।रात को तुलसी के पास दीपक जलाकर रखें- इससे घर में लक्ष्मी स्थायी रूप से वास करती हैं।

दुल्हनिया ढूंढ रहे संजय मिश्रा!

● अपकमिंग फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का पोस्टर जारी

एक यूजर ने लिखा, करवाचौथ का उपवास भी रखोगे, ये नहीं लिखा है।

संजय मिश्रा सन ऑफ सरदार 2, भक्षक, पोस्टमैन, हीर एक्सप्रेस, संत तुकाराम, और 5 सितंबर में देखे गए। अब एक्टर दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी लेकर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे बेटे की है, जो अपने पिता की शादी कराना चाहता है। दरअसल संजय जिस लड़की से शादी करना चाहते हैं, उनके घरवालों की डिमांड है कि भरा-पूरा परिवार होना चाहिए, खासकर घर में पहले से महिला मौजूद होनी चाहिए। ऐसे में एक्टर अपने ऑनस्क्रीन पिता की दूसरी शादी करवाने के लिए पूरा जोर लगा देते हैं। बता दें कि संजय मिश्रा सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं और अपने फैंस के साथ पुरानी फोटोज को शेयर करते रहते हैं। शूटिंग के सेट से भी एक्टर फोटोज शेयर करते हैं। हाल ही में उन्होंने घासीराम कोतवाल नाटक को लेकर भी वीडियो शेयर की थी और अपने किरदार के बारे में बात की थी।

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर संजय मिश्रा को सिर्फ संजीदा किरदारों के लिए ही नहीं बल्कि अपने कॉमेडी से भरे रोल्स से भी जाना जाता है। संजय मिश्रा ने कई ऐसी फिल्में की हैं, जिन्होंने फैंस को हंसाया और रुलाया दोनों हैं, लेकिन अब एक बार फिर अपने मस्तमौला अंदाज से वो फैंस को हंसाने के लिए आ रहे हैं, क्योंकि उनकी नई फिल्म का नया पोस्टर रिलीज हो चुका है। संजय मिश्रा की नई फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का नया पोस्टर रिलीज हो चुका है। पोस्टर शादी के लिए दूल्हे के इश्तिहार जैसा है, जिसमें दुर्लभ प्रसाद का बायोडेटा छपा है। दुर्लभ प्रसाद की लंबाई 5 फुट 8 इंच है, वो भी बिना जूतों के, रंग गेरुआ है, और वो खुद सामने से लड़की वालों को दहेज देंगे। दुर्लभ प्रसाद ने दुल्हन के लिए कुछ खूबियां लिखी हैं, जिसमें विधवा, तलाकशुदा, देसी और विदेशी हर तरह की महिला चलेगी, बस महिला होनी चाहिए। इस पोस्टर को शेयर कर संजय मिश्रा ने लिखा, टैग करें, शेयर करें और जीवनसंगिनी ढूंढने में दुर्लभ प्रसाद का साथ दें। दुल्हन खोज अभियान से जुड़िए, कौन जाने आपका एक शेयर किसी की ज़िंदगी में प्यार भर दे। फैंस भी पोस्टर के कायल हो गए हैं और अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं।

अभिनेत्रियाँ मेघा रे, गौरी शेलगांवकर और अनंदिता साहू ने साझा की

अपनी खास दिवाली यादें

जैसे-जैसे रोशनी का त्यौहार पास आता है, वातावरण में दीयों की चमक, मिठाइयों की खुशबू और पुरानी यादों की मिठास घुलने लगती है। इस दिवाली, सन नियो की तीन लोकप्रिय अभिनेत्रियाँ दिव्य प्रेम- प्यार और रहस्य की कहानी की मेघा रे, प्रथाओं की ओढ़े चुनरी- बींदणी की गौरी शेलगांवकर और सत्या साची की आनंदिता साहू ने अपने बचपन की दिवाली की यादों और इस साल के उत्सव की तैयारियों को साझा किया। दिव्य प्रेम- प्यार और रहस्य की कहानी में दिव्या का किरदार निभा रहीं मेघा रे बताती हैं, नवरात्रि के बाद ही एक अलग-सी खुशी महसूस होती है, क्योंकि दिवाली के आने की बेसब्री बढ़ जाती है। जब मिठाइयों, फूलों और दीयों की खुशबू हवा में फैलती है, तो लगता है मानो पूरा वातावरण जादुई हो गया हो। मेरे लिए दिवाली परिवार के साथ बिताने का खास समय होता है, जब घर की सफाई, सजावट, दीए प्रज्वलित करना, यह सब हम साथ मिलकर करते हैं। मुझे पटाखे फोड़ना ज्यादा पसंद नहीं है, क्योंकि मेरे घर में पालतू जानवर हैं और मैं जानती हूँ कि तेज़ आवाज़ से जानवरों और पक्षियों को कितनी परेशानी होती है। इस साल मैं दिवाली अपने परिवार के साथ-साथ दिव्य प्रेम के सेट पर अपनी नई फैमिली के साथ भी मनाऊँगी। प्रथाओं की ओढ़े चुनरी- बींदणी में घेवर का किरदार निभा रहीं गौरी शेलगांवकर कहती हैं, दिवाली हमेशा से मेरा सबसे पसंदीदा त्यौहार रहा है। बचपन से ही जैसे ही त्यौहार का समय आता था, मैं बहुत उत्साहित हो जाती थी। माँ तरह-तरह के पकवान बनाती थीं, जैसे कि लड्डू, चिवड़ा, चकली और बहुत कुछ। मुझे और मेरे भाई को चकली सबसे ज्यादा पसंद थी और हम उसे खाकर इतनी जल्दी खत्म कर देते थे कि माँ को फिर से बनानी पड़ती थी। मुझे घर के बाहर बड़ी-बड़ी रंग-बिरंगी रंगोली बनाना भी बहुत अच्छा लगता था। इस साल मैंने प्रथाओं की ओढ़े चुनरी- बींदणी की शूटिंग से कुछ दिन की छुट्टी ली है, ताकि घर जाकर परिवार के साथ दिवाली मना सकूँ। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ कि मैं घर का खाना परिवार के साथ खाऊँ और इस त्यौहार को खूब एंजॉय करूँ।

सत्या साची में सत्या की भूमिका निभा रहीं आनंदिता साहू साझा करती हैं, कुछ यादें कभी फीकी नहीं पड़तीं और ओडिशा में बिताई मेरी बचपन की दिवाली उन्हीं में से एक है। मुझे याद है, कार्तिक पूर्णिमा के दिन हम सब महानदी के किनारे दीए जलाते थे, पूरा शहर दीयों से जगमगा उठता था और छेना पोड़ा और मंगल मिठाइयों की खुशबू इसे और खूबसूरत बना देती थी।

संगीत के 30 वर्षों का जश्नः

अनुष्का शंकर ने की भारत टूर की घोषणा

11 बार ग्रैमी के लिए नामांकित सितार वादक अनुष्का शंकर अपने लाइव प्रदर्शन के 30 साल पूरे होने पर एक विशेष भारत दौरे की घोषणा कर रही हैं। इसके बाद यह यात्रा बेंगलुरु (31 जनवरी), मुंबई (1 फरवरी), पुणे (6 फरवरी), दिल्ली (7 फरवरी) और कोलकाता (8 फरवरी) में जारी रहेगी। भारत में हर परफॉर्मेंस मेरे लिए बेहद व्यक्तिगत होता है, लेकिन यह दौरा एक बेहद खास समय पर हो रहा है। इस टूर के साथ हम मिलकर मेरे मंच पर संगीत साझा करने के 30 सालों का जश्न मनाएंगे - तीन दशक की वृद्धि, जोखिम और नवाचार। इस विशेष टूर के साथ अनुष्का न केवल अपने तीन दशक के संगीत सफर को सेलिब्रेट कर रही हैं, बल्कि अपनी Chapters त्रयी को भी पूर्ण रूप से प्रस्तुत कर रही हैं - एक ऐसी संगीत यात्रा जिसकी शुरुआत भारत से हुई थी और जो पिछले दो वर्षों में चार महाद्वीपों में व्यापक रूप से सराही गई। वह आगे कहती हैं- यह यात्रा वास्तव में तीन साल पहले गोवा में नए साल के दिन की डायरी से शुरू हुई थी, जब मैंने इस त्रयी का एक खाका तैयार किया था। मैंने एक नए बैंड के साथ प्रयोगात्मक परफॉर्मेंस किए और उसके साथ ही इन Chapters को लिखा और रिलीज किया। हर शो और हर महाद्वीप के साथ संगीत को विकसित होने दिया।

प्रेग्नेंसी के दौरान की थी दे दे प्यार दे 2 की शूटिंगः इशिता दत्ता

बॉलीवुड एक्ट्रेस इशिता दत्ता बहुत जल्द फिल्म दे दे प्यार दे 2 में काम करती दिखाई देंगी। उन्होंने बताया कि जब वह गर्भवती थीं तभी उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। यह उनके लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर था, लेकिन उन्होंने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। इशिता ने यह भी बताया कि शूटिंग के समय उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी की न्यूज को सीक्रेट रखा ताकि काम पर असर न पड़े। दो बच्चों, बेटे वायु और बेटी वेदा की मां बनने के बाद यह उनकी पहली फिल्म है जो रिलीज होने जा रही है। इशिता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में 'दे दे प्यार दे 2' के पोस्टर के बगल में अपनी एक तस्वीर साझा की। इसमें अभिनेत्री ने बताया कि इतने लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी करना एक नई शुरुआत जैसा लग रहा है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, इस फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हूं... दोनों बच्चों के बाद मेरी पहली फिल्म। इसकी शूटिंग के दौरान मैं गर्भवती थी। 4 साल बाद वापसी करना बहुत अजीब लग रहा है, मानो एक नई शुरुआत हो... आप सभी का आशीर्वाद चाहिए... क्या मैं कह सकती हूं कि मैं पोज देना भूल गई हूं, एक नई शुरुआत के लिए उत्साहित हूं। हाल ही में फिल्म दे दे प्यार दे 2 का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इसमें आयशा नाम की लड़की की स्टोरी है जो एक ऐसे शख्स से प्यार करती है जो उम्र में उनसे काफी बड़ा है। इसमें अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में आर. माधवन रकुल प्रीत सिंह के पिता के रोल में दिखाई देंगे। पहले तो वह इस रिश्ते से खुश रहते हैं, लेकिन बाद में धीरे-धीरे उनका असली रूप सामने आता है। इसका ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आ रहा है। लोग कमेंट बॉक्स में कहते दिखे कि यह पहले पार्ट से बेहतर फिल्म होगी। अंशुल शर्मा ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी तरुण जैन ने लव रंजन के साथ मिलकर लिखी है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, लव रंजन, और अंकुर गर्ग इसके निर्माता हैं। दे दे प्यार दे 2 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

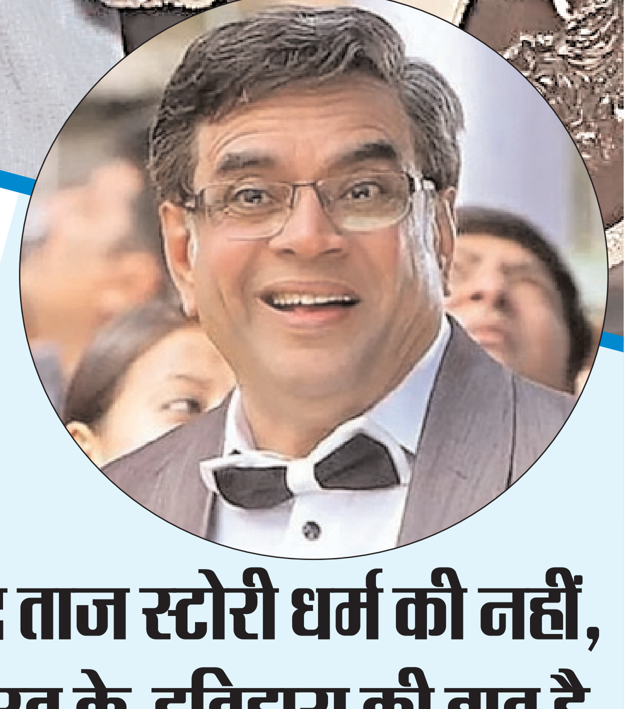

द ताज स्टोरी धर्म की नहीं, भारत के इतिहास की बात है

स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा द्वारा प्रस्तुत, तुषार अमरीश गोयल द्वारा लिखित और निर्देशित तथा परेश रावल अभिनीत, द ताज स्टोरी का हाल ही में एक और प्रभावशाली डायलॉग प्रोमो रिलीज़ हुआ है, जिसने दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल को देशभर में राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बना दिया है। इस नए जारी किए गए डायलॉग प्रोमो में परेश रावल अपनी गूंजती आवाज़ में गहराई से अपनी बात रखते हुए कहते हैं, यह मुद्दा हिंदू या मुसलमान का नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास का है। उनके ये शब्द एक सशक्त संदेश देते हैं कि भारत का अतीत किसी एक धर्म का नहीं, बल्कि साझा विरासत का प्रतीक है, जहाँ हिंदू और मुसलमान दोनों की योगदान की कहानी एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई है। साथ ही फिल्म इस विचार को भी सामने रखती है कि इतिहास को चुनिंदा नजरिए से देखने के बजाय, सच्चाई को ईमानदारी से स्वीकारना ही असली सम्मान है। आस्था और राजनीति से ऊपर उठकर यह संवाद इस बात पर जोर देता है कि हमारा अतीत केवल तथ्यों के आधार पर समझा जाए, तभी उसका वास्तविक आदर हो सकता है। सच पूछिए तो यह संवाद फिल्म को सिर्फ एक मनोरंजकता के साथ नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आत्ममंथन के रूप में स्थापित करता है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है कि इतिहास को अब तक कैसे बताया, लिखा और याद किया जाता रहा है। गौरतलब है कि परेश रावल, जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ, और नमित दास जैसे सशक्त कलाकारों से सजी यह फिल्म एक तीखा सामाजिक ड्रामा है, जो आज के समय का सबसे चुनौतीपूर्ण सवाल उठाती है और वह सवाल है आज़ादी के 79 साल बाद भी, क्या हम अब भी बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं?

कंगना ने शाहरुख से की अपनी तुलना

कंगना रनौत अकसर ही शाहरुख खान और बॉलीवुड के बाकी खान के साथ अपनी तुलना करती आई हैं। वह खुद को लेडी खान मानती हैं और तीनों खान के साथ काम भी नहीं करना चाहतीं। और अब कंगना ने एक बार फिर शाहरुख से अपनी तुलना की है, और कुछ ऐसा कह दिया है जो फैंस को भी हैरान कर रहा है। कंगना का कहना है कि उन्होंने शाहरुख से ज्यादा मेहनत की है, और अपने दम पर मुकाम बनाया। कंगना ने यह भी कहा कि उन्होंने गांव से मुंबई आकर मुकाम पाया, जबकि शाहरुख को दिल्ली के रहने वाले हैं और कॉन्वेंट स्कूल में पढ़े हैं। कंगना ने कहा, मुझे इतनी सफलता क्यों मिली? शायद ही कोई और होगा जो गांव से आकर मेनस्ट्रीम में इतनी सफलता हासिल कर पाया हो। आप शाहरुख खान की बात करें। वो दिल्ली से हैं, कॉन्वेंट में पढ़े हैं। मैं एक ऐसे गाँव से हूं, जिसके बारे में किसी ने सुना भी नहीं होगा- भांबला। मालूम हो कि कंगना यंग एज में ही घर से भागकर मुंबई आ गई थीं। उन्होंने 19 साल की उम्र में फिल्म गैंगस्टर से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद राज 2 तनु वेड्स मनु, तनु वेड्स मनु 2 और फैशन जैसी फिल्मों से पॉपुलैरिटी बटोरी। कंगना अपने करियर में चार नेशनल अवॉर्ड्स जीते।

ऑस्ट्रेलिया और भारत की टीमों ने 17 वर्षीय क्रिकेटर बेन ऑस्टिन को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

मेलबर्न : मेलबर्न के युवा क्रिकेटर बेन ऑस्टिन (17) के निधन के बाद पूरे क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। गुरुवार को नेट्स में अभ्यास के दौरान गेंद लगने से हुए हादसे में उनकी मृत्यु हो गई। वह मेलबर्न के फर्नट्री क्रिकेट क्लब में बल्लेबाजी अभ्यास कर रहे थे, जब साइडआर्म से फेंकी गई गेंद उनके गले में लगी। अस्पताल में लाइफ सपोर्ट पर रखे जाने के बाद गुरुवार सुबह उनका निधन हो गया। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेले

जा रहे टी20 मुकाबले से पहले दोनों टीमों ने मैच अधिकारियों और ऑस्टिन के क्लब प्रतिनिधियों के साथ मिलकर एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। मैदान पर उनकी तस्वीर दिखाई गई और उनकी टोपी को विशेष रूप से रखे गए मंच पर रखा गया। दोनों टीमों और अंपायरों ने ब्लैक आर्मबैंड पहनकर सम्मान व्यक्त किया। इसी तरह महिला विश्व कप के सेमीफाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया और भारत की टीमों ने काली पट्टी बांधकर शोक व्यक्त किया था। शेफील्ड शील्ड मुकाबलों में भी खिलाड़ियों ने बल्ले उठाकर श्रद्धांजलि दी और विक्टोरिया-तस्मानिया मैच से पहले मौन रखा गया। बेन के पिता जेस ऑस्टिन ने कहा, ॡयह त्रासदी हमें तोड़ गई है, लेकिन हमें यह सुकून है कि बेन वही कर रहा था जो उसे सबसे अधिक पसंद था – दोस्तों के साथ क्रिकेट खेलना। क्रिकेट विक्टोरिया के सीईओ निक कमिंस ने कहा, ॡबेन एक सच्चा ऑस्ट्रेलियाई लड़का था, जो सर्दियों में फुटबॉल और गर्मियों में क्रिकेट से प्यार करता था। वह वही बच्चा था जैसा हम सब अपने बच्चों को बनते देखना चाहते हैं ॡ इस हादसे के बाद क्लब और जूनियर स्तर पर साइडआर्म उपकरणों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बताया गया कि बेन ने हेलमेट पहना था, लेकिन उसमें स्टेम गार्ड नहीं लगा था, जो अब प्रोफेशनल मैचों में अनिवार्य है। बेन के दोस्त और साथी खिलाड़ी लियम वर्टिंगन ने कहा, ॡवह हमेशा मुस्कुराते रहते थे, बेहद विनम्र और सभी के प्रिय थे।

पेरिस मास्टर्स 2025: जैनिक सिनर क्वार्टरफाइनल में पहुँचे, नंबर-1 रैंकिंग की दौड़ बरकरार

पेरिस : इटली के स्टार टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने गुरुवार को फ्रांसिस्को सेरुंदोलो को 7-5, 6-1 से हराकर पेरिस मास्टर्स के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ सिनर ने अपनी इनडोर कोर्ट पर लगातार 23वीं जीत दर्ज की और दुनिया की नंबर-1 रैंकिंग पर दोबारा कब्जा करने की उम्मीदों को जिंदा रखा। चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर को शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए यह टूर्नामेंट जीतना होगा। क्वार्टरफाइनल में उनका मुकाबला अमेरिका के बेन शेल्टन से होगा। शेल्टन, जो पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं, ने 12वीं वरीयता प्राप्त आंद्रे रूबलेव को 7-6(6), 6-3 से हराकर ट्यूरिन (इटली) में होने वाले सीजन-एंडिंग एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर लिया है। सिनर इस सीजन का पाँचवाँ और करियर का 23वाँ खिताब जीतने की दौड़ में हैं। उन्होंने पिछले हफ्ते विएना में एटीपी 500 खिताब जीता था, भले ही फाइनल के दौरान उन्हें ऐंठन की परेशानी हुई थी। सिनर ने कहा, उम्मीद है मैं शारीरिक रूप से पूरी तरह रिकवर कर लूंगा, यही मेरी प्राथमिकता है। आज का मैच शानदार रहा। सिनर का शेल्टन के खिलाफ अब तक का रिकॉर्ड 6-1 है। इस बीच, डिफेंडिंग चैंपियन अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने 15वीं वरीयता प्राप्त अलेजांद्रो डेविडोविच फोकीना को 6-2, 6-4 से हराया।

बिहार में राजद-कांग्रेस की सरकार बन गई, तो अपराधी फिर से लौट आएंगे : योगी आदित्यनाथ

पटना/सिवान : उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को सीवान के ऐतिहासिक गांधी मैदान में सिवान जिले के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) उम्मादवारों के पक्ष में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ₹अगर बिहार में कांग्रेस-राजद की सरकार बन गई, तो अपराधी फिर से सड़कों पर नाचेंगे और जनता भय के साये में जीने को मजबूर होगी।₹ राजद शासनकाल का जंगलराज आज भी बिहार की जनता नहीं भूली है। राजद के राज में अराजकता थी, परिवारवाद था और जनता भय के साये में जी रही थी।

योगी आदित्यनाथ ने अपने करीब 30 मिनट के ओजस्वी भाषण में कहा कि अगर कांग्रेस-राजद की सरकार बनी, तो सबसे पहले गरीबों का राशन बंद होगा, फिर नौकरी के नाम पर युवाओं की जमीन हड़प ली जाएगी। ये लोग विकास नहीं, बल्कि अपराधियों का तांडव करवाएंगे। अपराधी तो कांग्रेस-राजद के शागिर्द हैं।

राजग काम में विश्वास रखता है, दिखावे में नहीं

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजग सरकार केवल वादे नहीं करती, उन्हें निभाती भी है। उन्होंने कहा, ₹हमने कहा था कि अयोध्या में श्रीरामलला का भव्य मंदिर बनाएंगे, हमने बना दिया। अब माता सीता जी के मंदिर की बारी हैउन्होंने उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था का उदाहरण देते हुए कहा,₹ हमने वादा किया था कि यूपी में दंगे-फसाद बंद करवाएंगे। आज साढ़े आठ साल में एक भी दंगा नहीं हुआ। अपराधियों पर बुलडोजर चला, उनकी संपत्तियां जब्त की गईं और उन्हीं पैसों से गरीबों के लिए मकान बनवाए गए। अब उत्तर प्रदेश में दंगा नहीं होता, सब चंगा है।

राजग की सरकार बनेगी, तो बिहार प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा

योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार की जनता अब विकास, सुरक्षा और स्थिरता चाहती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है। बिहार में राजग की सरकार बनी, तो राज्य भी विकास की नई ऊंचाइयां छुएगा। मुख्यमंत्री ने जनता से आह्वान करते हुए कहा कि राजग की सरकार ही गरीबों, किसानों, नौजवानों और माताओं-बहनों के सम्मान की सच्ची रक्षा कर सकती है। राजग सरकार विकास, सुशासन और युवाओं के सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखेगी। योगी आदित्यनाथ ने आए लोगों को बताया कि वे तीन दिनों में दूसरी बार सीवान पहुंचे हैं। उन्होंने कहा, ₹ परसों मैं रघुनाथपुर आया था, क्योंकि वहां एक माफिया फिर से कब्जा जमाने की कोशिश कर रहा है। जनता अब ऐसे लोगों को फिर से सत्ता में नहीं आने देगी। बिहार अब अपराधियों के हाथों की कठपुतली नहीं बनेगा।₹ रघुनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से महागठबंधन ने राजद नेता स्वर्गीय शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब को प्रत्याशी बनाया है। सभा के अंत में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह भीड़ इस बात का प्रमाण है कि सिवान सहित पूरा बिहार अब विकास, सुरक्षा और सुशासन की ओर बढ़ रहा है। जनता ने तय कर लिया है कि इस बार भी एनडीए की सरकार बनेगी।

जनता में दिखा जबरदस्त उत्साह

सीवान में शुक्रवार को प्रतिकूल मौसम के बाद भी जनसैलाब उमड़ पड़ा। यह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रति जनता के उत्साह का प्रतीक था। हर वर्ग और समुदाय के लोग ₹अबकी बार, एनडीए सरकार₹ के नारे लगाते नजर आए। पूरा मैदान जोश और उत्साह से गूंज उठा।

जनसभा मंच पर सिवान विधानसभा

ताइवान चीन के एक देश, दो व्यवस्था को ठुकराता है: राष्ट्रपति लाई चिंग-ते

ताइपे : ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने शुक्रवार को कहा कि उनका देश चीन के ह्लएक देश, दो व्यवस्थाह्व मॉडल को कभी स्वीकार नहीं करेगा तथा अपनी स्वतंत्रता, लोकतंत्र और संवैधानिक व्यवस्था को मजबूती से बनाए रखेगा। यह बयान चीन की ताइवान को अपने नियंत्रण में लाने की ताजा कोशिशों के बीच आया है, जहां चीन ने इस सप्ताह उसके खिलाफ बल प्रयोग की संभावना से भी ह्लइंकार नहींह्व नहीं किया है। उउत्तरी ताइवान के हुकोउ सैन्य अड्डे पर सैनिकों को संबोधित करते हुए लाई ने कहा, ह्लसच्ची शांति केवल ताकत से ही आ सकती है। आक्रामण के दावों को मान लेना और संप्रभुता छोड़ना शांति नहीं ला सकता। हमें गरिमा और दृढ़ता से वर्तमान स्थिति बनाए रखनी चाहिए। जबरदस्ती होने वाले एकीकरण, आक्रमण और विलय का हमें विरोध करना होगा।ह्व उन्होंने कहा, ह्लहम ह्यएक देश, दो व्यवस्थाह्न को खारिज करते हैं क्योंकि हम हमेशा अपनी स्वतंत्र और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बचाएंगे। गौरतलब है कि चीन ताइवान को अपना अभिन्न अंग मानता है और लाई को ह्लअलगाववादीह्व कहता है। इस सप्ताह चीन के सरकारी मीडिया ने दावा किया कि अगर ताइवान हांगकांग-मकाऊ जैसी स्वायत्तता स्वीकार करता है, तो उसके साथ नरम व्यवहार होगा। लेकिन ताइवान के किसी बड़े राजनीतिक दल ने चीन की इस नीति का समर्थन नहीं किया है। लाई ने स्पष्ट किया कि चीन गणतंत्र (ताइवान का औपचारिक नाम) और जनवादी गणराज्य चीन एक-दूसरे के अधीन नहीं हैं। उन्होंने कहा ह्लताइवान की संप्रभुता का उल्लंघन या विलय नहीं हो सकता। इसका भविष्य केवल ताइवानी लोग ही तय करेंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि ताइवानी लोगों द्वारा संप्रभुता की रक्षा और लोकतांत्रिक जीवनशैली बनाए रखना 'किसी के प्रति कोई उकसावे वाली कार्रवाई' नहीं है। राष्ट्रीय रक्षा में निवेश शांति में निवेश है। उन्होंने घोषणा की कि 2030 तक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का पांच प्रतिशत सैन्य खर्च पर लगाया जाएगा, ताकि चीन के बढ़ते खतरे से निपटा जा सके। यह बयान हुकोउ में ताइवान की पहली 'एमएक- ए-दोटी अब्राम्स' टैंक के बटालियन में औपचारिक रूप से शामिल किए जाने के दौरान आया है। ये टैंक अमेरिकी कंपनी 'जनरल डायनेमिक्स' द्वारा बनाए गए हैं। इनमें से 80 टैंक पहले ही ताइवान

सरदार पटेल ने खंड-खंड भारत को अखंड बनाया : राजेश मसाला

अमेठी : रन फॉर यूनिटी में शामिल होने के उपरांत अमेठी के जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश कुमार अग्रहरी उर्फ राजेश मसाला ने पत्रकारों से कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर पूरे अमेठी सहित देशभर में युवाओं और नागरिकों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है। हम सब सौभाग्यशाली हैं कि हमें सरदार पटेल जैसा व्यक्तित्व आजादी के समय मिला। उन्होंने खंड-खंड में बंटे हुए भारत को एक अखंड राष्ट्र बनाया। आज जो भारत एक सूत्र में बंधा है, वह उन्हीं की दूरदृष्टि और नेतृत्व का परिणाम है। राजेश मसाला ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार पटेल के सम्मान में जो कार्य किए हैं, वह सराहनीय हैं। प्रधानमंत्री ने ह्यस्टेच्यू ऑफ यूनिटीह्न बनवाकर पूरे विश्व में भारत की एकता का संदेश दिया है। हम उनके आभारी हैं। उन्होंने कहा कि अगर आजादी के बाद सरदार पटेल को देश का प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला होता तो देश की स्थिति और भी सशक्त होती। उन्होंने कहा पटेल के सिद्धांतों पर चलकर ही देश आगे बढ़ सकता है। हम सभी को उनकी जयंती पर उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लेना चाहिए।

देश के दूसरे लौहपुरुष हैं प्रधानमंत्री मोदी : शंकर गिरी

एजेंसी

सुलतानपुर : उत्तर प्रदेश के सुलतानपुर जिले में सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती समारोह में भाजपा के प्रदेश मंत्री शंकर गिरी ने कहा कि यदि सरदार वल्लभ भाई पटेल भारत के प्रधानमंत्री बनाए गए होते तो पाकिस्तान और बांग्लादेश भारत के अभिन्न अंग होते। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुजरात के दूसरे लौह पुरुष बताते हुए कहा कि मोदी ने धारा 370 के बंधन से कश्मीर को मुक्त किया। इससे पहले कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मंत्री शंकर गिरी, कादीपुर विधायक राजेश गौतम, लंभुआ विधायक सीताराम वर्मा, विधान परिषद सदस्य शैलेंद्र प्रताप सिंह और भाजपा जिलाध्यक्ष सुशील त्रिपाठी सहित वरिष्ठ नेताओं ने 'रन फॉर यूनिटी' के प्रतिभागियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कैश मनी क्रॉस कंट्री दौड़ में पुरुष प्रतिभागियों को प्रथम पुरस्कार के रूप में इंदर चौधरी 51,000 रुपये, द्वितीय विजेता कुलदीप यादव को 31,000 रुपये और तृतीय विजेता अंकित पाल को 21,000 रुपये दिए गए। वहीं महिला प्रतिभागियों को क्रमशः माधुरी यादव को 31,000, मंतशा बानो को 21,000 और अंजली यादव को 11,000 रुपये के पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अलावा स्कूली बच्चों द्वारा भी पदयात्रा निकाली गई।

चुनाव प्रचार में बारिश बनी बाधा, उम्मीदवारों की रैलियां और जनसंपर्क प्रभावित

एजेंसी

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण का प्रचार अपने अंतिम दौर में पहुंच चुका है, लेकिन इस बीच चक्रवाती तूफान ह्यमोंथाह्न के प्रभाव से हो रही लगातार बारिश ने राजनीतिक दलों के लिए नई मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। राज्य के अधिकांश जिलों में गुरुवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश और तेज हवाओं के कारण चुनाव प्रचार कार्यक्रमों में खलल पड़ गया है। कई स्थानों पर निर्धारित जनसभाएं और रोड शो रद्द या स्थगित करने पड़े हैं। जिन जिलों में सभाएं प्रस्तावित थीं, वहां मौसम की खराबी ने तैयारियों पर असर डाला है। बारिश के कारण न केवल मंच और साउंड सिस्टम की व्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं, बल्कि ग्रामीण इलाकों में कच्चे रास्तों के कीचड़ और जलभराव ने उम्मीदवारों के जनसंपर्क अभियानों को भी बाधित कर दिया है। पटना सहित कई जिलों में लगातार बारिश से जनसभाओं में भीड़ जुटाना मुश्किल हो गया है। कई जगहों पर प्रत्याशी छाते और बरसाती पहनकर प्रचार करते देखे गए। वहीं मतदाताओं से संपर्क साधने के लिए अब सोशल मीडिया और वर्चुअल प्रचार का सहारा लिया जा रहा है।

बड़वानी: नर्मदा परिक्रमा पर जा रहे श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, एक की मौत, कई घायल

बड़वानी : मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले के खेतिया थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह नर्मदा परिक्रमा के लिए जा रही श्रद्धालुओं से भरी स्लीपर बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में एक बुजुर्ग महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 54 से अधिक लोग घायल है। घटना के बाद रेस्क्यू अभियान चलाकर घायलों को निकाला गया और अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं मौके पर फंसे दो लोगों को निकालने के लिए क्रेन बुलाई गई। जानकारी के अनुसार सुबह तीर्थ यात्राओं की बस बोकराटा से खेतिया की और रवाना हुई थी। हादसे के समय बस में करीब 55 यात्री सवार थे। ये सभी अलग-अलग जिलों के रहने वाले थे। श्रद्धालु इंदौर से एमपी 46 जेडपी 7986 वाहन में ओंकारेश्वर और बड़वानी होते हुए प्रकाशा जा रहे थे। इस दौरान करीब 9. 30 बजे ग्राम बायगौर क्षेत्र में खेतिया-पाटी रोड घाट पर पलट गई। बस पलटते ही चीख-पुकार मच गई। ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचित किया। खेतिया और पाटी थाना प्रभारी सहित पुलिस बल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। घायलों को तुरंत खेतिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। हादसे में सुगन बाई बद्री (62) की मौत हो गई। वह धार जिले के जामदा की निवासी थी। वहीं गंभीर हालत में दो यात्रियों को जिला अस्पताल रेफर किया गया। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने मिलकर राहत और बचाव अभियान चलाया। घायलों को तुरंत खेतिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से हालत गंभीर होने जिला अस्पताल रेफर किया गया। पलटी बस से फंसे यात्रियों को निकालने के लिए जेसीबी मशीन का भी इस्तेमाल किया गया। पानसेमल विधायक श्याम बर्डे ने भी मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों का जायजा लिया। मौके पर विधायक और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद हैं। फंसे हुए यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए दो क्रेन बुलाई गई और बस को सीधा किया। वहीं बड़वानी कलेक्टर जयति सिंह ने बताया कि प्रशासन लगातार स्थिति की मॉनिटरिंग कर रहा हैं। बस में 55 लोग सवार थे। जिनमें से एक महिला की मौत हो गई, 54 लोग घायल है। घायलों का खेतिया अस्पताल में ईलाज चल रहा है। दो गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

एजेंसी

नई दिल्ली : ग्लोबल मार्केट से आज मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। इसी तरह एशियाई बाजारों में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

टेक कंपनियां के शेयरों में लगातार बिकवाली होने के कारण अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.99 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,822.34 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 377.33 अंक यानी 1.57 प्रतिशत टूट कर 23,581.14 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 47,571.72 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 9,760.06 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.53 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,157.29 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 24,118.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी आज मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,092 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.14 प्रतिशत उछल कर 28,327.93 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने आज जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 890.39 अंक यानी 1.73 प्रतिशत की बढ़त के साथ 52,216 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,113.02 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। दूसरी ओर, हैंग सेंग इंडेक्स 212.69 अंक यानी 0.82 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 26,070 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,961.62 अंक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.46 प्रतिशत फिसल कर 1,308.66 अंक के स्तर पर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.28 प्रतिशत लुढ़क कर 4,424.89 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत टूट कर 8,179.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज IN ब्रीफ

रन फॉर यूनिटी दौड़ नहीं बल्कि राष्ट्रीय एकता संयुक्त और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है : जिलाधिकारी

कानपुर : रन फॉर यूनिटी केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता, सामूहिकता और सामाजिक सद्भाव की भावना का प्रतीक है। यह कार्यक्रम हमें यह संदेश देता है कि जब हम, मैं और मेरा परिवार से आगे सोचते हुए अपने समाज, शहर और राष्ट्र के लिए कार्य करते हैं। तभी सच्चे अर्थों में एकता और अखंडता की भावना मजबूत होती है। यह बातें शुक्रवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कही। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर ग्रीन पार्क अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने किया। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन राष्ट्र पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के रूप में मनाया जा रहा है। सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के उपरांत देश की साढ़े पांच सौ से अधिक रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर भारत के एकीकरण का ऐतिहासिक कार्य किया। आज का रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम उन्हीं के राष्ट्र निर्माण के अमूल्य योगदान को नमन करने का प्रतीक है। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ भी दिलाई गई, जिसमें देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने का संकल्प दिलाया गया।

दमोह: मध्य प्रदेश स्थापना दिवस पर नगर में 12 शिक्षकों का होगा सम्मान

दमोह : मध्य प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर एक नवंबर को दमोह जिला मुख्यालय पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में जिले 12 शिक्षकों को सम्मानित किया जायेगा। इन शिक्षकों को उनके शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य करने के लिये सम्मानित किया जायेगा। दमोह कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने शुक्रवार को बताया कि 1 नबम्बर 1956 को मध्य प्रदेश राज्य की स्थापना हुई थी। इस दिन प्रदेश में स्थापना दिवस को मनाया जाता है। जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश सरकार द्वारा तय कार्यक्रम के अनुसार मध्य प्रदेश गान,ध्वजारोहण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि इस बार हमने एक नवाचार प्रारंभ करने का निर्णय लिया है जिसमें आयोजित मुख्य समारोह में जिले 12 ऐसे शिक्षकों को सम्मानित किया जायेगा जो शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ठ कार्य कर रहे हैं। कलेक्टर कोचर ने बताया कि देश,प्रदेश स्तर पर शिक्षकों के सम्मान का कार्यक्रम आयोजित होता है लेकिन यह प्रथम अवसर होगा जब दमोह जिले में प्रशासन जिला शिक्षक सम्मान का आयोजन करेगी। समारोह के मुख्यातिथि के हाथों से शिक्षकों को सम्मानित किया जायेगा।

एसएसपी मोहिता शर्मा ने देश की एकता अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने की शपथ दिलाई

कठुआ : राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर कठुआ पुलिस की ओर से जिला पुलिस लाइन्स कठुआ में भव्य परेड और शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परैड कमांडर डीएसपी प्रोबेशनर तरनजीत सिंह ने परेड की अगुवाई की, जबकि पीएसआई मुर्तजा रहमान ने बतौर सेकंड परेड कमांडर सहयोग किया। इसके बाद राष्ट्रीय एकता की शपथ समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कठुआ मोहिता शर्मा ने अधिकारियों और कर्मियों को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने की शपथ दिलाई। इससे पहले कार्यक्रम के अंत में एसएसपी कठुआ मोहिता शर्मा ने देश के पहले गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि यह दिन हमें देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अपने समर्पण को दोहराने का अवसर प्रदान करता है। इस मौके पर एसपी ऑपरेशन कठुआ मुकुंद टिबरेवाल आईपीएस, एडिशनल एसपी कठुआ राहुल चरक, डीएसपी डीएआर कठुआ रितेश संब्याल, डीएसपी मुख्यालय कठुआ रविंदर सिंह सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारी भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गांधी सर्किल से अमर जवान ज्योति तक आमजन के साथ किया पैदल मार्च- मुख्यमंत्री

जयपुर : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि लौह पुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल ने आजादी के बाद रियासतों का विलय कर एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण किया था। सरदार पटेल ने लोगों के दिल में ह्यएक भारत-श्रेष्ठ भारतह्न की भावना जगाई। उनका लक्ष्य एक ऐसे भारत का निर्माण करना था, जो विविधता में एकता का प्रतीक हो और यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे हर परिस्थिति में राष्ट्र हित और राष्ट्रीय एकता को सर्वोपरि रखें, जिससे एक सशक्त तथा आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हो। शर्मा शुक्रवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर ह्यसरदार150ह्न के तहत आयोजित एकता मार्च कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देश में 560 से अधिक रियासतों में से कुछ रियासतें अपने स्वतंत्र अस्तित्व में रहना चाहती थीं। सरदार पटेल ने रियासतों के राजाओं को कहा कि एक संगठित और संयुक्त भारत में ही प्रजा का भविष्य सुरक्षित है। कुछ राजाओं ने स्वेच्छा से विलय किया, तो कुछ को राजनीतिक दबाव की जरूरत पड़ी। शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व से जूनागढ़ एवं हैदराबाद जैसी रियासतें भी भारत का अभिन्न अंग बन गई। उनकी दृढ इच्छाशक्ति से ही आधुनिक भारत की परिकल्पना संभव हो पाई।

एकता मार्च के तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रीय ध्वज हाथ में थामे गांधी सर्किल से अमर जवान ज्योति तक 3 किलोमीटर का सफर तय कर लगभग 40 मिनट तक जनप्रतिनिधियों एवं आमजन के साथ पैदल मार्च किया। इस दौरान बड़ी संख्या में जनता ने मुख्यमंत्री के साथ पूरे जोश और उत्साह से पैदल मार्च में हिस्सा लिया। पूरे मार्ग में देशभक्ति और एकता के नारों के साथ वातावरण गुंजायमान हो उठा। आमजन ने पुष्पवर्षा कर मुख्यमंत्री का जेडीए तथा रामबाग सर्किल पर स्वागत-अभिनंदन भी किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, खेल एवं युवा मामलात मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों, खिलाडियों, पुलिस आरएसी के जवानों, एनसीसी व एनएसएस कैडेट्स, स्काउट गाइड, विश्वविद्यालय तथा कॉलेज के छात्र-छात्राओं सहित बड़ी संख्या में आमजन ने पैदल मार्च किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने अमर जवान ज्योति पहुंचकर सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए तथा शहीदों को पुष्पचक्र अर्पित कर नमन किया। शर्मा ने कहा कि सरदार पटेल की केवल कश्मीर में नहीं मानी गईं और वहां धारा 370 जैसा कानून लगा दिया गया था। लेकिन आज यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरदार पटेल का वह अधूरा सपना पूरा हो चुका है। प्रधानमंत्री ने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटा कर वहाँ शांति और विकास का मार्ग खोल दिया। जम्मू-कश्मीर भारत का पूर्ण और अभिन्न अंग है और यह सरदार पटेल को सही मायने में सच्ची श्रद्धांजलि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को सशक्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने पिछले दो वर्षों में 91 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी हैं और डेढ़ लाख से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया जारी है। साथ ही, युवा उद्यमियों को 140 करोड़ रुपये का ऋण स्वीकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार के कार्यकाल में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि वे पूरी मेहनत के साथ तैयारी करें, सरकार आपके साथ खड़ी है। शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय एकता पखवाड़े के तहत आयोजित एकता मार्च ह्यविकसित राजस्थान-विकसित भारतह्न के सपने को पूरा करने का एक संकल्प हैं। इस एकता मार्च में शामिल होकर हमने सरदार पटेल के विचारों को जीवंत किया है। उन्होंने कहा कि जैसे सरदार पटेल ने 560 रियासतों को एक सूत्र में पिरोया, वैसे ही हम सभी को मिलकर विविधता में एकता को मजबूत करना है। श्री शर्मा ने कहा कि आज का युवा भारत की सबसे बड़ी शक्ति है। जब युवा शक्ति जागृत होती है, तो कोई लक्ष्य असंभव नहीं रहता। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे सरदार पटेल के सपनों का भारत को साकार करने में सक्रिय भागीदार बने। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आमजन को आत्मनिर्भर भारत की शपथ दिलाई। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। मुख्यमंत्री ने गांधी सर्किल पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर भी पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, खेल एवं युवा मामलात मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, सांसद घनश्याम तिवाड़ी, मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सराफ, जितेन्द्र गोठवाल, गोपाल शर्मा, डॉ. कैलाश वर्मा, बालमुकुंदाचार्य एवं पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

न्यूज IN ब्रीफ

उपायुक्त ने किया खाद्यान्न गोदामों का औचक निरीक्षण

सिमडेगा : उपायुक्त सिमडेगा श्रीमती कंचन सिंह ने गुरुवार को जेएसएफसी गोदाम एवं बाजार समिति गोदाम सिमडेगा का संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन की स्थिति की समीक्षा की तथा विभाग द्वारा निर्गत मानक संचालन प्रक्रिया का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने बाजार समिति स्थित चावल गोदाम में रखे गए चावल बोरियों के रखरखाव, साफ-सफाई, स्टॉक व्यवस्था एवं गुणवत्ता की बारीकी से जांच की। उन्होंने गोदाम प्रभारी को निर्देश दिया कि खाद्यान्न के सुरक्षित भंडारण एवं वितरण में किसी प्रकार की लापरवाही न हो।

इसके अलावा, उपायुक्त ने डेली मार्केट परिसर में राज्य खाद्य निगम (रत्रछ) द्वारा किए जा रहे मरम्मत कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अभियंता एवं कार्यकारी एजेंसी को निर्देशित किया कि निर्माण एवं मरम्मत कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से और निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कहा कि खाद्यान्न भंडारण केंद्रों की व्यवस्थित देखरेख आवश्यक है ताकि आमजन को समय पर एवं सही मात्रा में खाद्यान्न की आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

मौके पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी सहित पदाधिकारी गण उपस्थित थे।

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वी जयन्ती मनाई गई

सिमडेगा : शुक्रवार को, लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150 वी जयन्ती के अवसर पर सिमडेगा जिले के अन्तर्गत पवित्री शर्मा के विद्यालय के प्रांगण से ₹एकता की दौड़₹ कार्यक्रम किया गया जिसमें भी 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती विमला प्रधान, पूर्व मंत्री झारखंड सरकार मौजूद रही। इस कार्यक्रम भाजपा जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक प्रदेश कार्य समिति सदस्य कार्यक्रम के संयोजक दुर्ग विजय सिंह देव जी जिला कोषाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के सह संयोजक श्री अनुप प्रसाद सुभाष महतो, श्रद्धानंद बेसरा, श्री सुजान मुण्डा, श्री अनुप केसरी, सत्यनारायण प्रसाद श्री दीपक साहू एसटी मोर्चा जिला अध्यक्ष राकेश रविकांत, प्रधान जी, महावीर बड़ाईक, दिलीप साहू, रमेश कुमार, सत्यव्रत ठाकुर आदि उपस्थित रहे। इस दौड़ में 1.श्री कपिल कुमार, 2.श्री विक्रम कुमार एवं 3.श्री सामुवेल कमलः प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किये। महिला दौड़ में अनिषा कुल्लू, सुकी मनिषा मिज एवं सुकी गीता कुमारी, प्रथम द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त की जिन्हें मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों के द्वारा पुरस्कार वितरण किया गया। धन्यवाद ज्ञापन दुर्ग विजय सिंह देव जी ने किया।

सरदार बल्लभ भाई पटेल विद्यालय में मनाई सरदार पटेल की जयंती

जमशेदपुर : सरदार बल्लभ भाई पटेल उच्च एवं मध्य विद्यालय, छोटागोविंदपुर के प्रांगण में सरदार पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर विद्यालय के छात्र छात्राओं एवं शिक्षकों द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष रामाश्रय प्रसाद, जिला परिषद् डॉ परितोष कुमार, संस्थापक सदस्य नवीन चंद्र सिंह, मध्य विद्यालय के सचिव बिंदासिंह मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरूआत उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। संस्थापक अध्यक्ष रामाश्रय प्रसाद ने स्कूली बच्चो से उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प दिलवाया साथ ही साथ उनके जीवन दर्शन पर अपने विचार व्यक्त किए।

डॉ परितोष सिंह ने कहा कि बच्चों को उनके विचारों को आत्म साध करने की जरूरत है। इस अवसर पर विधायक मंगल कालिंदी द्वारा दिए गए आदमकद प्रतिमा के स्थापना हेतु स्थल का भूमिपूजन किया गया, जिसमे बहुत जल्द प्रतिमा की स्थापना की जाएगी, इस कार्य के लिए स्कूल प्रबंधन समिति के विधायक का आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम का संचालन नवीन चंद्र सिंह, स्वागत भाषण प्रधानाध्यापक सरिता जयसवाल, धन्यवाद ज्ञापन मध्य विधालय के प्रिंसिपल जय कुमार प्रसाद ने दिया। इस अवसर पर शिवबालक प्रसाद, शत्रुघ्न प्रसाद,उमानंद राय,राजगीर प्रसाद,हरि बालक प्रसाद,उपेंद्र सिंह,राजेन्द्र प्रसाद, सहित स्कूली छात्र छात्राए एवं स्कूल के शिक्षक उपस्थित थे।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जमशेदपुर में रन फॉर यूनिटी का आयोजन

जमशेदपुर : शुक्रवार को पूरे देश में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जमशेदपुर में भी एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें भारत के लौह पुरुष सरदार पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा देश की एकता, अखंडता और समर्पण की भावना को सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया। यह कार्यक्रम सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत एनएसएस इकाई द्वारा प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार (सीबीओ) तथा डॉ. जयेंद्र कुमार (एनएसएस समन्वयक) के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सरदार पटेल के विचारों और योगदान को याद किया गया तथा उपस्थित सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एकता की शपथ (इंटीग्रिटी ओथ) ली।इसके पश्चात एकता के प्रतीक के रूप में ह्लरन फॉर यूनिटीह्व का आयोजन किया गया, जो लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स से प्रारंभ होकर संस्थान के विभिन्न परिक्षेत्रों से गुजरते हुए संस्थान के प्रशासनिक भवन परिसर में संपन्न हुआ।

उपायुक्त ने किया रामगढ़ प्रखंड के उत्क्रमित उच्च विद्यालय महुबना क्षेत्र का निरीक्षण

संवाददाता

दुमका : जिले के उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने गुरुवार को रामगढ़ प्रखंड के महुबना में पंचायत भवन, आवास योजना, आयुष्मान आरोग्य मंदिर तथा उत्क्रमित उच्च विद्यालय महुबना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त श्री सिन्हा ने अनुपस्थित रोजगार सेवक का मानदेय अगले आदेश तक स्थगित रखने का निर्देश दिया। साथ ही, प्रखंड विकास पदाधिकारी रामगढ़ को मुख्य पथ से आयुष्मान आरोग्य मंदिर होते हुए उत्क्रमित उच्च विद्यालय महुबना तक पीसीसी सड़क निर्माण कराने का निर्देश दिया।

ग्रामीणों द्वारा पेयजल आपूर्ति संबंधी शिकायत पर उपायुक्त ने कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल को जलमीनार से पेयजल आपूर्ति नहीं होने के मामले में स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया। वहीं, महुबना चौक के पास स्थित जर्जर भवन की मरम्मति के लिए संबंधित विभाग को पहल करने को कहा गया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने राजकीय बुनियादी उच्च विद्यालय कडबिंदा एवं उत्क्रमित उच्च विद्यालय महुबना में बच्चों के कैरियर मार्गदर्शन हेतु प्रधानाचार्य को निर्देशित किया कि विद्यालयों में मास्टर चार्ट बनाकर बच्चों को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं पाठ्यक्रमों की जानकारी दी जाए, ताकि छात्र अपने भविष्य के प्रति सजग एवं मार्गदर्शित हो सकें।

उन्होंने विद्यालयों में पेयजल सुविधा सुनिश्चित करने, पर्याप्त संख्या में बल्ब लगाने तथा बेंच-डेस्क की व्यवस्था करने का भी निर्देश दिया।

शिक्षा विभाग की जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की समीक्षा बैठक संपन्न

देवघर : जिले के उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में गुरुवार को शिक्षा विभाग से सबंधित जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने मध्याह्न भोजन योजना, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालयों में सीबीएसई के माध्यम से चयन, आइसीटी प्रोग्राम एवं स्मार्ट क्लास एवं स्टीयरिंग समिति से जुड़े विभिन्न कार्यों की बिंदुबार समीक्षा करते हुए जिला, प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर शिक्षा व्यवस्था को बेहतर और सुद्दढ़ करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।

इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त श्री लकड़ा ने स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति को बेहतर बनाने की दिशा में बेहतर तरीके से कार्य करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। आगे उन्होंने जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमिटि की बैठक में उपायुक्त ने मुख्य रूप से विद्यालयों में मध्याह्न भोजन वितरण की स्थिति, बच्चों के स्वास्थ्य जाँच, रसोई सेड, विद्यालयों में खाद्यान्न की प्रत्येक माह ससमय उपलब्धता, विद्यालयों में पोषण वाटिका (किचन गार्डन) की स्थिति के अलावा विद्यालयों में कार्यरत रसोईया सहित एवं स्कूलों में रसोईयों की आवश्यकता की बिन्दुआर समीक्षा करते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश दिया।

बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी विनोद कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती, जिला शिक्षा अधीक्षक मधुकर कुमार, शिक्षा विभाग के अधिकारी, विभिन्न प्रखण्डों के बीओ एवं संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मी आदि उपस्थित थे।

अजय लिंडा बनेंगे डीआईजी से आईजी

बिनय मिश्रा

भारतीय पुलिस सेवा 2008 बैच के लोकप्रिय कर्मठ तथा सफलता और उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले भारतीय पुलिस सेवा 2008 बैच के आईपीएस अधिकारी अजय लिंडा डीआईजी गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा अब आईजी बनेंगे श्री लिंडा झारखंड के सफलतम पुलिस अधीक्षक एवं डीआईजी के रूप में पहचाने जाते हैं श्री लिंडा सर्वप्रथम एसडीपीओ किरीबुरू के रूप में पदस्थापित रहे इसके पश्चात ग्रामीण एसपी जमशेदपुर सिटी एसपी जमशेदपुर एसपी लातेहार एसपी पलामू एसपी पाकुड़ तथा गोड्डा के अलावे पश्चिम सिंहभूम चाईबासा में भी लोकप्रिय पुलिस अधीक्षक के रूप में पदस्थापित रहे पश्चिम सिंहभूम जिला के पुलिस अधीक्षक रहते उनकी पदोन्नति हुई और वे कोल्हान के डीआईजी बने डीआईजी के रूप में उनके द्वारा किए गए कार्यों का ही यह परिणाम है कि आज भी हुए कोल्हान में लोकप्रिय डीआईजी के रूप में याद किए जाते हैं अपराध नियंत्रण नक्सलियों को बैकफुट पर भेजना और बेहतर विधि व्यवस्था तथा पूरे कोल्हान के विभिन्न थानों का औचक निरीक्षण कर बेहतर विधि व्यवस्था और आम लोगों के साथ पुलिस को जोड़ने का जो कार्य किया वह अपने आप में आज भी उपलब्धि माना जाता है मानकी मुंडा के साथ बेहतर व्यवहार और उनका सम्मान तथा ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की बेहतर कार्य प्रणाली आज भी उपलब्धि के रूप में शामिल है ऐसे आईपीएस अधिकारी से राज्य और विभाग दोनों गौरवान्वित होतेहैं कोल्हान प्रमंडल में आज भी उनके कार्यकाल को बेहतर उत्कृष्ट और उपलब्धि भरा माना जाता है।

चतरा पुलिस को मिली बड़ी सफलता

कौलेश्वरी से लापता मासूम 48 घंटे में सकुशल की बरामद

संवाददाता

चतरा : जिला पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कौलेश्वरी पहाड़ से लापता 5 वर्षीय मासूम को मात्र 48 घंटे के अंदर बरामद कर लिया। मासूम के स्वजन ने पुलिस का आभार व्यक्त किया है। इस मामले में थाने क्षेत्र के लेंजवा पंचायत क्षेत्र अंतर्गत कोसमाही गांव निवासी बाढो यादव ने थाने में दर्ज कराये प्राथमिकी में बताया था कि हम सपरिवार कौलेश्वरी मंदिर गए हुए थे। बीते मंगलवार दोपहर कौलेश्वरी पहाड़ में भीड़ उमड़ पड़ी थी। पहाड़ से इस दौरान एक अजनबी ने झांसे देते हुए कहा था कि आपके बेटे को पहाड़ से तलहटी तक ले चलते हैं। उसके झांसे में आकर मैं अपने बच्चें को उसे सुपुर्द कर दिया। जब पहाड़ के तलहटी पर पहुंचा तो ना ही बेटा लौटा था ना ही वह अजनबी। काफी खोजबीन करने पर भी कोई पता नहीं चल सका। चतरा पुलिस कप्तान सुमित अग्रवाल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक टीम का गठन किया। गठित टीम के नेतृत्व कर रहे हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बच्चे को बिहार के गया जिलांतर्गत कोठी थाना क्षेत्र के आकौनी गांव से बरामद कर हंटरगंज थाने ले आई। थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि बच्चे को सकुशल बरामद किया गया है। परिजनों ने चतरा पुलिस अधीक्षक की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस के इस कदम से जनता का पुलिस पर विश्वास और मजबूत हुआ है।

राजस्व कर्मचारी पर म्यूटेशन और रसीद काटने के नाम पर रिश्वत लेने का आरोप

चतरा: जिले के हंटरगंज प्रखंड के हलका संख्या-6 के राजस्व कर्मचारी गुरुदेव सिंह पर जमीन के म्यूटेशन व रसीद काटने के नाम पर रिश्वत लेने का आरोप लगा है। ग्रामीणों ने उपायुक्त कीर्तिश्री जी को दो बार आवेदन देकर शिकायत की है। साथ ही राजस्व कर्मचारी के निजी कंप्यूटर ऑपरेटर राजेंद्र कुमार द्वारा ऑनलाइन (फोन पे) के माध्यम से ली गयी राशि का स्क्रीनशॉट भी आवेदन के साथ संलग्न कर दिया गया है। उपायुक्त कीर्तिश्री ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अविलंब मामले की जांच करने का निर्देश अंचलाधिकारी को दिया।दो माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी अब तक मामले की जांच नहीं हो पायी है,जिससे ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने बताया कि जमीन के म्यूटेशन व रसीद काटने के नाम पर राजस्व कर्मचारी ने अपने निजी कंप्यूटर ऑपरेटर के माध्यम से कई लोगों से ऑनलाईन रिश्वत ली थी। किसी से 20 हजार तो किसी से 18 हजार, 12 हजार, पांच हजार, तीन हजार रुपया रिश्वत लिया गया है। रिश्वत लेने के बाद भी काम नहीं कर टाल मटोल किया जा रहा था।काम करने की बात कहने पर गाली गलौज करते हुए सरकारी कार्यों में बाधा उत्पन्न करने का झूठा केस में फंसाने का धमकी दी जाती है। पैसा लौटाने की बात पर राजस्व कर्मचारी ने न काम होगा और न ही पैसा देने की बात कही।ग्रामीणों ने उपायुक्त से मामले की जांच अविलंब पूरी कर राजस्व कर्मचारी व निजी कंप्यूटर ऑपरेटर पर कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में राजस्व कर्मचारी गुरुदेव सिंह ने कहा कि डिजिटल कार्य करने में दिक्कत होती हैं, इसलिए कंप्यूटर ऑपरेटर को रखे थे। ऑपरेटर पैसा लिया होगा इसकी जानकारी नहीं है।लोग गलत काम कराने के लिए दबाव बना रहे हैं।

आकस्मिक आपदा की तैयारी : समाहरणालय सभा कक्ष में संयुक्त टेबल टॉप अभ्यास संपन्न

संवाददाता

चतरा : जिला प्रशासन चतरा एवं राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल एवं न्यूक्लियर आपदा प्रबंधन पर आधारित एक टेबल टॉप एक्सरसाइज का सफल आयोजन किया गया। यह अभ्यास जिले में संभावित सीबीआरएन आपदा की स्थिति में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता तथा आपदा प्रबंधन की प्रभावशीलता के मूल्यांकन के उद्देश्य से किया गया।अभ्यास का संचालन 9 बटालियन एनडीआरएफ टीम (गृह मंत्रालय, भारत सरकार) इंस्पेक्टर सूरज कुमार द्वारा प्रजेंटेशन दिया गया, डिप्टी कमांडेंट विनय के नेतृत्व में यह टेबल टॉक एक्सरसाइज पर चर्चा की गई तथा उपायुक्त कीर्तिश्री के निदेर्शानुसार चतरा के अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम के पर्यवेक्षण में पूरा हुआ। प्रशिक्षण के दौरान आपदा की काल्पनिक स्थिति निर्मित कर राहत एवं बचाव कार्य, प्रभावित क्षेत्रों की सुरक्षा, संसाधनों की उपलब्धता, संचार प्रणाली की कार्यकुशलता एवं त्वरित निर्णय प्रक्रिया की व्यापक समीक्षा की गई।इस अवसर पर सिविल सर्जन डॉक्टर जगदीश प्रसाद, जिला आपूर्ति पदाधिकारी नीतू सिंह सहित स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन सेवा, सीआईएसएफ, एनटीपीसी, जिला प्रशासन एवं एनडीआरएफ से जुड़े 56 से अधिक अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। अभ्यास के क्रम में सभी सहभागी संस्थाओं को सीबीआरएन आपदा के दौरान अनुपालित किए जाने वाले मानक संचालन प्रक्रिया तथा प्रत्येक एजेंसी की जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया।अभ्यास के दौरान चतरा के अनुमंडल पदाधिकारी जहूर आलम ने संबोधित करते हुए कहा कि सीबीआरएन आपदाएँ अत्यंत संवेदनशील एवं गंभीर प्रकृति की होती हैं, अतः इनके प्रभाव को कम करने के लिए सभी विभागों के मध्य उच्च स्तरीय समन्वय, निरंतर प्रशिक्षण एवं तत्परता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यह अभ्यास जिले के आपदा प्रबंधन तंत्र को और अधिक सुद्दढ़, सक्षम एवं प्रतिसादक्षम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।चतरा जिला प्रशासन भविष्य में भी इस प्रकार के संयुक्त अभ्यासों के माध्यम से आपदा प्रबंधन संरचना को निरंतर बेहतर बनाने एवं जन-धन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस : बेटियों के उज्ज्वल भविष्य और सशक्तिकरण पर जोर

संवाददाता

खूंटी: अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 के अवसर पर जिला बाल संरक्षण इकाई, खूंटी और हेल्प ए चाइल्ड एनजीओ के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को डीआरडीए सभागार में एक जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम का केंद्रीय विषय बालिकाओं का उज्ज्वल भविष्य एवं सशक्तिकरण रहा।

कार्यक्रम में डालसा खूँटी की सचिव अर्पणा हंस कुजूर, डीएसपी मुख्यालय अखिल कुजूर, जिला नियोजन पदाधिकारी आनंद कुमार, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी मो अल्ताफ खान, हेल्प ए चाइल्ड एनजीओ के निदेशक डॉ डीजे एडविन सहित कई गणमान्य व्यक्ति, विभिन्न एनजीओ के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में प्रतिभागी उपस्थित रहे।

मौके पर उपस्थित अतिथियों ने अपने संबोधन में बालिकाओं को समान अवसर प्रदान करने, उन्हें शिक्षित एवं सशक्त बनाने तथा उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने पर बल दिया। उन्होंने एक स्वर से कहा कि बालिकाओं के सशक्त होने से ही एक सशक्त समाज एवं राष्ट्र की परिकल्पना संभव है। जेंडर इक्वलिटी, बालिका शिक्षा और अधिकार संरक्षण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं।

कार्यक्रम की शोभा बढ़ाते हुए रानियां प्रखंड की बालिकाओं ने बेटी है अनमोल गीत पर एक मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया, जिसने समाज में बेटियों के महत्व और सम्मान का शक्तिशाली संदेश दिया।

ग्रामीण स्तर पर बाल संरक्षण को मजबूती देने पर जोर देते हुए ग्राम बाल संरक्षण समितियों को सक्रिय रखने और उनकी नियमित बैठकें सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। साथ ही, बाल विवाह जैसी कुरीतियों और बाल तस्करी की घटनाओं पर नजर रखने की अपील की गई। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 पर संपर्क करने की सलाह दी गई।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री मईयां सम्मान योजना और विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों सहित बालिकाओं के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और उनका लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। अंत में, सभी प्रतिभागियों ने बालिकाओं के अधिकारों, शिक्षा और सुरक्षा के प्रति समाज को जागरूक करने तथा उन्हें हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया।